# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

चीनी का विकल्प शुक्रालोज शुक्रालोज पेज: 7

दर्शकों को फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 71 | शुक्रवार 12 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## राम मंदिर चंदे को लेकर अखिलेश के आरोपों पर पीयूष गोयल का पलटवार, उन्हें गंभीरता से कोई नहीं लेता

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में हेराफेरी की बात कही गई थी। गोयल ने कहा कि जनता को विपक्ष के नेता की बातों पर भरोसा नहीं है। गोयल ने पत्रकारों से कहा कि अखिलेश यादव के ट्वीट को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उन्होंने कहा कि जिस तरह अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश को विकास से दूर रखा, वहां अराजकता का माहौल बनाया और भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा दिया... उसे देखते हुए जनता उन्हें एक बार फिर नकार देगी। उन्होंने आगे कहा कि सत्ताधारी गठबंधन अपने प्रशासनिक कामकाज के रिकॉर्ड के दम पर अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखेगा।

# नीति आयोग की बैठक में पीएम नेराज्यों को दिया विकास का मंत्र, विकसित भारत 2047 के लिए बनाया गया मास्टर प्लान

**नई दिल्ली एजेंसी:** नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर में भी भारत की मजबूत विकास यात्रा पर भरोसा जताते हुए कहा कि देश आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय, सहयोग और साझा जिम्मेदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सहकारी संघवाद की भावना ही भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। हम आपको बता दें कि नयी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन स्थित संस्कृति केंद्र में आयोजित इस बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास रखा गया, जिसके अंतर्गत देश के हर नागरिक के विकास, सम्मान और समान अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में देशभर के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल शामिल हुए तथा समावेशी मानव विकास ढांचे के चार प्रमुख स्तंभों पर चर्चा हुई। इनमें बुनियादी मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल, उत्पादक रोजगार और उद्यमिता, स्वास्थ्य तथा पोषण और सभी के लिए समानता एवं गरिमा जैसे विषय शामिल रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का जनसांख्यिकीय लाभ देश के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है और इसे गंवाया नहीं जा सकता। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग आधारित कौशल विकास और व्यापक रोजगार अवसरों का निर्माण सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सशक्त युवा ही भारत की विकास यात्रा को नई गति देंगे। बैठक में उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मजबूत करने और टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करने के उपायों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिनसे निर्यात और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन और गुणवत्ता सुधार के माध्यम से भारतीय उद्योग विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना सकते हैं। महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि खेती, नवाचार, विज्ञान, उद्योग और नवउद्यम जैसे क्षेत्रों में नारी शक्ति का योगदान लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने राज्यों से महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। उनका कहना था कि महिलाओं की पूरी क्षमता का उपयोग किए बिना भारत का समग्र विकास संभव नहीं है। बैठक में शासन व्यवस्था, डिजिटल सार्वजनिक ढांचे और साझेदारी को विकास के प्रमुख साधन के रूप में रेखांकित किया गया। साथ ही जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली पर भी बल दिया गया ताकि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। शासी परिषद ने दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी विचार किया। हम आपको यह भी बता दें कि वैसे तो बैठक में तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री आये लेकिन कर्नाटक के नये मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की उपस्थिति ने सबका ध्यान खींचा। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की ओर से पिछले कुछ वर्षों में नीति आयोग की बैठकों से दूरी बनाए रखने की परंपरा के विपरीत शिवकुमार ने इस बार बैठक में भाग लेने का निर्णय लिया।

### विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास रखा गया..

**हम आपको बता दें कि नयी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन स्थित संस्कृति केंद्र में आयोजित इस बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास रखा गया, जिसके अंतर्गत देश के हर नागरिक के विकास, सम्मान और समान अवसरों पर...**

## कर्नाटक में कचरा घोटाला पर बीजेपी का बड़ा हमला, कांग्रेस सरकार पर 39,000 करोड़ की लूट का आरोप

**नई दिल्ली एजेंसी:** भाजपा ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर कचरा प्रबंधन ठेके से जुड़े 39,000 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि इसे निविदा प्रक्रिया में गड़बड़ी तथा परियोजना की लागत में भारी बढ़ोतरी करके अंजाम दिया गया। यह बयान कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक के उस आरोप के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलुरु के कचरा प्रबंधन क्षेत्र में घोटाला किया है तथा एक निजी कंपनी को कचरा प्रसंस्करण के लिए दीर्घकालिक निविदा देने के बदले 10,000 करोड़ रुपये की रिश्वत ली है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत से निविदा प्रक्रिया की जांच के लिए

शिकायत करने वाले अशोक ने दावा किया कि ठेका एक ही कंपनी को 35 साल के लिए बहुत ज्यादा दरों पर दिया गया जिससे राजकोष पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह कथित घोटाला कांग्रेस सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलों की कड़ी में सबसे नया मामला है। पूनावाला ने आरोप लगाया, मुडा घोटाले, ठेकेदार घोटाले, आवासीय घोटाले, शराब घोटाले और जमीन घोटाले के बाद, कर्नाटक अब 39,000 करोड़ रुपये के बड़े कचरा घोटाले का सामना कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि कचरा निपटान शुल्क लगभग 260 रुपये प्रति टन से बढ़कर 2,400 रुपये प्रति टन हो गया है जो लगभग 950 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। पूनावाला ने आरोप लगाया कि जहाँ पुरानी प्रणाली में 30 साल में लगभग 6,117 करोड़ रुपये का खर्च आता वहीं नए ठेके में 39,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का खर्च आएगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि निविदा प्रक्रिया पहले से तय थी और बोलियां मंगाए जाने से पहले ही कुछ खास कंपनियों को फायदा पहुंचाने की एक अनौपचारिक सहमति बनी हुई थी। इसी तरह के आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस का मतलब लूट, लूट का मतलब कांग्रेस। उन्होंने कहा, बेंगलुरु कचरे में डूब रहा है, कांग्रेस इससे कमीशन ले रही है और मुख्यमंत्री पार्टी के भीतर हो रही बगावत को दबाने में व्यस्त हैं। कर्नाटक सरकार ने अभी तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी

## पेपर लीक और बेरोजगारी पर कांग्रेस का हल्ला बोल, जून में मोदी सरकार के खिलाफ देशव्यापी विरोध

**नई दिल्ली एजेंसी:** कांग्रेस पार्टी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और परीक्षा संकट के मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। यह घटनाक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री के तौर पर उपलब्धि का जश्न मनाने के एक दिन बाद हुआ है। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने ट्वीट किया कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी के नेतृत्व में, मैंने मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा करने के लिए पूरे भारत से आए एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों और पीसीसी

अध्यक्षों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। बेरोजगारी, बड़े पैमाने पर पेपर लीक, आसमान छूती महंगाई और मोदी सरकार की विनाशकारी नीतियों से हुई आर्थिक बबार्दी एजेंडे का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि हमने आज हमारे लोकतंत्र की स्थिति, हमारे संविधान के लिए खतरों और सामाजिक न्याय के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने की जरूरत पर भी चर्चा की। यह आंदोलन जून के आखिर में शुरू हो सकता है और 2-3 महीने तक चल सकता है। सभी प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों, महासचिवों और राज्य प्रभारियों की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वेणुगोपाल ने कहा, "आज की बैठक में इस मुद्दे (मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा चुनाव नामांकन को खारिज करने) पर विस्तार से चर्चा हुई। हम इस मुद्दे पर राजनीतिक और कानूनी तौर पर लड़ेंगे। कमिटी ने यही फैसला किया और इसी पर चर्चा की। बहुमत हासिल करने का यही तरीका है... वे दूसरी पार्टियों के सभी सांसदों को लेकर उनसे इस्तीफा दिलवा रहे हैं और उन्हें बीजेपी सांसद बना रहे हैं। दूसरी तरफ, असल में वोटिंग के बाद, वोट चोरी के बाद, यह सीट चोरी है। यह साफ तौर पर सीट चोरी है। हम इसके खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ेंगे। फिर हमारी बैठक में देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। मुख्य रूप से आर्थिक संकट के मुद्दे पर। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की कीमतें दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं। लोग बहुत परेशान हैं। सरकार की तरफ से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। बेरोजगारी चरम पर है। एमएसएमई सेक्टर पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। युवा बहुत चिंतित हैं। उन्हें अपने भविष्य की चिंता है। रोजगार नहीं है।

## हरियाणा में आतंकवाद से निपटने को एटीएस गठित, पंचकुला में मुख्यालय व 2 थाने

**पंचकुला एजेंसी:** हरियाणा सरकार ने बुधवार को आतंकवाद से जुड़ी धमकियों और घटनाओं से निपटने की राज्य की क्षमता को मजबूत करने के लिए एक एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) बनाने की घोषणा की। गृह विभाग के अनुसार, इस नई स्पेशल फोर्स का मुख्यालय पंचकूला में होगा। इसके अलावा, ऑपरेशनल पहुँच और तालमेल को बेहतर बनाने के लिए दो खास एटीएस पुलिस स्टेशन बनाए जाएँगे। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम का मकसद इंटेलिजेंस-आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देना और राज्य भर में सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियों के खिलाफ तैयारी को बेहतर बनाना है। नोटिफिकेशन में कहा गया है भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (2023 का केंद्रीय अधिनियम 46) की धारा 2 के खंड (यू) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके जरिए हरियाणा राज्य के लिए

आतंकवाद से जुड़े अपराधों की जाँच करने के लिए पंचकूला और गुरुग्राम में एंटी-टेररिज्म स्क्वाड पुलिस स्टेशन बनाने की घोषणा करते हैं। पंचकूला पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकेः पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, कैथल, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद, रोहतक, सोनीपत, भिवानी, चरखी दादरी, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह और पलवल। गुरुग्राम पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकेः सोनीपत, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नूंह, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़। एटीएस की कमान आईजी रैंक के अधिकारी के हाथ में होगी इससे पहले मई में, हरियाणा के डीजीपी अजय सिंघल ने घोषणा की थी कि राज्य का एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) 1 जून से काम करना शुरू कर सकता है और इसकी कमान आईजी रैंक के अधिकारी के पास होगी। हालांकि, तारीख आगे बढ़ा दी गई और नोटिफिकेशन 10 जून को जारी किया गया। सिंघल ने कहा कि हरियाणा एटीएस में सपा रैंक के दो से तीन अधिकारी भी शामिल होंगे।

## महाराष्ट्र में सियासी भूकंप! उद्धव ठाकरे के 7 सांसद शिंदे गुट के संपर्क में

**महाराष्ट्र** में संभावित राजनीतिक बदलाव को लेकर नई अटकलें शुरू हो गई हैं। खबरों के मुताबिक, उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूटीबी) के सात सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे के संपर्क में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 7 जून को एकनाथ शिंदे के दिल्ली दौरे के दौरान एक बैठक हुई थी और बताया जा रहा है कि इस बातचीत में ठाकरे खेमे के कई सांसद मौजूद थे। हालांकि अभी पूरी जानकारी साफ नहीं है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में शिवसेना (यूटीबी) के कुछ सांसदों के राजनीतिक भविष्य और उनके शिंदे गुट में शामिल होने की संभावना पर चर्चा हुई। इसके अलावा, खबरों के अनुसार शिंदे गुट के नेताओं ने दिल्ली में हुई बातचीत के दौरान एक राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया। केंद्रीय कैबिनेट के संभावित विस्तार को लेकर चल रही अटकलों के बीच, ऐसी खबरें हैं कि केंद्र में प्रतिनिधित्व को लेकर आश्वासन दिया गया हो सकता है। कहा जा रहा है कि ठाकरे खेमे के एक सांसद को केंद्रीय कैबिनेट में जगह देने का वादा किया गया था, जबकि अन्य सांसदों को महत्वपूर्ण संगठनात्मक और राजनीतिक जिम्मेदारियां सौंपने का भरोसा दिया गया था। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित किसी भी नेता ने सार्वजनिक रूप से इन्हें स्वीकार नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार, एकनाथ शिंदे और शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे कई महीनों से ठाकरे गुट के नेताओं के संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि पिछले छह महीनों में दिल्ली में कई बार अलग-अलग और ग्रुप लेवल पर बैठकें हुई हैं। ऐसी भी चर्चा है कि शिंदे गुट के केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव के दिल्ली स्थित आवास पर शिवसेना (यूटीबी) के कुछ सांसदों के साथ बातचीत हुई थी। इन बैठकों के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

## पश्चिम बंगाल में सियासी संकट के बीच टीएमसी-कांग्रेस विलय की चर्चा, पार्टी ने कहा- ये सिर्फ अफवाह

**नई दिल्ली एजेंसी:** कांग्रेस ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ संभावित विलय की अटकलों को खारिज करते हुए ऐसी खबरों को बेबुनियाद अफवाह बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ हाल ही में हुई बैठक में बातचीत केवल राष्ट्रीय मुद्दों तक ही सीमित थी और इसमें दोनों पार्टियों के विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ये बेबुनियाद अफवाहें हैं। टीएमसी और कांग्रेस नेताओं के बीच हुई बैठक का मकसद सिर्फ.राष्ट्रीय मुद्दों को ज्यादा असरदार ढंग से उठाने पर चर्चा करना था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के सोमवार को नई दिल्ली में भारत ब्लॉक की बैठक में शामिल होने के बाद टीएमसी और कांग्रेस के बीच

संभावित विलय की चचाओं ने जोर पकड़ लिया। ठक के दौरान, दोनों नेताओं ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात की। इससे इन अफवाहों को बल मिला कि टीएमसी, पार्टी से अलग होने के लगभग तीन दशक बाद कांग्रेस में विलय कर सकती है।

यह अटकलें टीएमसी के विधायी और संसदीय गुटों में मतभेद के बीच सामने आई हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बमुश्किल एक महीने बाद हुआ है, जहाँ 294 सदस्यों वाली विधानसभा में उसे केवल 80 सीटें मिली थीं। हालांकि, तृणमूल ने विलय की संभावना पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि पार्टी के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करना जरूरी है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह देखना बाकी है कि यह सहयोग गठबंधन का रूप लेगा या विलय का।

# सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, गृहिणियां को 'राष्ट्र निमार्ता' मानकर 30,000 रु. मासिक मुआवजा

**नई दिल्ली एजेंसी:** सुप्रीम कोर्ट ने घर संभालने वाली महिलाओं को 'राष्ट्र निमार्ता' माना और बिना पैसे वाले घरेलू काम की आर्थिक अहमियत को स्वीकार किया। एक अहम फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि घरेलू देखभाल सेवाओं के नुकसान को 'मुआवजे का एक अलग आधार' माना जाना चाहिए और मोटर दुर्घटना के दावों में ऐसे नुकसान का आकलन करने के लिए 30,000 रुपये की अनुमानित मासिक आय तय की। जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि घर संभालने वालों का योगदान सिर्फ.घर के कामों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि परिवार, समाज और अंततः देश को बनाने में भी उनकी अहम भूमिका होती है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि बिना वेतन वाले घरेलू काम को सिर्फ. इसलिए आर्थिक रूप से महत्वहीन नहीं माना जा सकता क्योंकि इससे कोई औपचारिक वेतन नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि गृहिणियां घर में योगदान देती हैं। वे राष्ट्र-निमार्ता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं। जस्टिस करोल ने कहा कि हमारा भी यह मानना है कि गृहिणी व्यक्ति और राष्ट्र के विकास में योगदान देती है। घर

संभालने वाली महिला राष्ट्र का निर्माण करती है। इसलिए हमने कुछ सिद्धांत तय किए हैं; एक राष्ट्र-निमार्ता के तौर पर गृहिणी की भूमिका को देखते हुए, हमने घरेलू देखभाल के नुकसान की न्यूनतम मासिक आय

**कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि बिना वेतन वाले घरेलू काम को सिर्फ. इसलिए आर्थिक रूप से महत्वहीन नहीं माना जा सकता क्योंकि इससे कोई औपचारिक वेतन नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि गृहिणियां घर में योगदान देती हैं। वे राष्ट्र-निमार्ता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं।**

30,000 रुपये प्रति माह तय की है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के पहले के उन फैसलों पर आधारित है जैसे 'कीर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' (2021) और 'अरुण कुमार अग्रवाल बनाम नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' (2010) झ जिनमें घर संभालने वालों (होममेकर्स) के काम को बिना पैसे वाला काम माने जाने के बावजूद उसकी आर्थिक अहमियत को माना गया था। घर की देखभाल न मिल पाने के लिए अलग से मुआवजासुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'घर की देखभाल न मिल पाने' (घरेलू देखभाल का नुकसान) को मुआवजे के एक अतिरिक्त और स्वतंत्र आधार के तौर पर माना जाना चाहिए। बेंच ने ऐसे नुकसान का आकलन करने के लिए 30,000 रुपये प्रति महीने की न्यूनतम काल्पनिक आय तय की। यह तरीका घर संभालने वालों की कड़ी मेहनत की तुलना कुशल और अकुशल मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी से करने की परंपरा से निकला है। यह फैसला पंजाब में मोटर दुर्घटना के दावे से जुड़ी एक अपील के बाद आया, जिसमें एक मृतक होममेकर का परिवार दो दशकों से ज्यादा समय से मुआवजे की कोशिश कर रहा था। ऐसे मामलों में देरी पर चिंता जताते हुए कोर्ट ने कहा कि मोटर दुर्घटना के दावों के मामलों का फैसला आम तौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए और उम्मीद जताई कि सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस इनके समय पर निपटारे पर नजर रखेंगे।

# संपादकीय

## भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत श्रृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले।

## चिंतन-मनन

### प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**

# मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

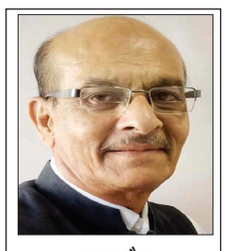

सनत जैन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाब में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंततः जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी है।

# बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवसः बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्टी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है?

आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है; शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी।

हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने का अधिकार, सीखने का अवसर, स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते, वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'किसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं, अधिकार का विषय मानना होगा।

आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें, तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें, और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा, उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें, तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक, संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिमार्ता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा, तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

# सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं?

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनसंयोजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही ह्लअसली तृणमूल कांग्रेसह्व हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं।

लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि ह्लगंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है ह्व अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री और विपक्ष का नेता मानता है, उसका स्वागत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस की छतरी का इस्तेमाल करने वालों के लिए दरवाजे खुले नहीं हैं। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल के उन नेताओं की ओर इशारा माना जा रहा है जिन पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ममता बनर्जी का पूरा राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह की जमीन पर खड़ा हुआ था। वर्ष 1998 में उन्होंने जोरशोर से कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता ने कांग्रेस नेतृत्व पर बंगाल की राजनीति की अनदेखी करने और वामपंथ के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित किया और धीरे धीरे बंगाल में कांग्रेस की जड़ें कमजोर कर दीं। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे को सत्ता से हटाने के बाद ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक विस्तार के लिए कांग्रेस से पूरी दूरी बना ली थी और लगातार गांधी परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले करती रहीं। लेकिन अब जब तृणमूल कांग्रेस भीतर से टूट रही है, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं और राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दे रही है, तब वही ममता बनर्जी एक बार फिर कांग्रेस की जड़ों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि दिल्ली में गांधी परिवार के साथ उनकी बैठकों को केवल शिष्टाचार मुलाकात मानने को राजनीतिक विश्लेषक तैयार नहीं हैं।

दरअसल, बंगाल की राजनीति अब केवल सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह अस्तित्व की जंग बन चुकी है। तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक बिखराव से जूझ रही है और बात सिर्फ संसद या विधानसभा में उसके सदस्यों तक सीमित नहीं रह गयी है। बंगाल में कई निगमों से उसके महापौर या पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं और पंचायतों में भी इसी तरह के इस्तीफों का दौर जारी है। इस सबके बीच भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए उसके दरवाजे बंद हैं वहीं कांग्रेस इस संकट को अपने पुनर्जीवन के अवसर के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता की राजनीति को मजबूती देने के लिए कांग्रेस बंगाल में नई संभावनाएं तलाश रही है।

बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ राजनीतिक समझौते की राह पर चलेंगी, या फिर पार्टी के भीतर का विद्रोह उन्हें और कमजोर कर देगा। यदि तृणमूल कांग्रेस का टूटना जारी रहा तो बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। आने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव इस बदलाव की पहली बड़ी परीक्षा साबित होंगे। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की राजनीति में शुरू हुई यह हलचल केवल राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष की राजनीति पर भी इसका गहरा असर पड़ने वाला है।

# ऑनलाइन कीटनाशक खरीदने से बचें, केवल लाइसेंसधारी विक्रेताओं से करें खरीदारी

**अमरोहा(सब का सपना):-** कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने जनपद के किसानों को ऑनलाइन माध्यम से कीटनाशकों की खरीदारी न करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि कृषि निदेशालय लखनऊ द्वारा जारी पत्रों के माध्यम से ई-वाणिज्य (ई-कॉमर्स) प्लेटफॉर्म के जरिए कीटनाशकों की बिक्री तथा बिना वैध लाइसेंस के फल पकाने वाले उत्पादों के अवैध निर्माण, भंडारण, वितरण और व्यापार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि कीटनाशी अधिनियम-1968 एवं कीटनाशी नियमावली-1971 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों से अपील की गई है कि वे किसी भी परिस्थिति में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से कीटनाशकों की खरीद न करें और आवश्यकता पड़ने पर केवल जनपद के वैध लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही कीटनाशक खरीदें। उन्होंने यह भी कहा कि फल पकाने वाले उत्पाद भी केवल वैध निमार्ता अथवा अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदे जाएं। साथ ही किसानों को सलाह दी गई है कि कीटनाशक या फल पकाने वाले उत्पाद खरीदते समय संबंधित विक्रेता से बिल अथवा कैश मेमो अनिवार्य रूप से प्राप्त करें, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता सुनिश्चित की जा सके। मनोज कुमार ने किसानों से जागरूक रहने और किसी भी संदिग्ध उत्पाद या अवैध बिक्री की जानकारी कृषि विभाग को देने की अपील की है।

# उर्स में मार्केट से सस्ता सामान, जमकर हो रही खरीदारी

## दिलशाद जख्मी ने महफिल में रंग जमाया

**उझारी/अमरोहा (सब का सपना):-** हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० के उर्स में अकीदतमंदों का तांता लगा हुआ है। मार्केट से सस्ता सामान मिलता देख महिलाएं जमकर खरीदारी कर रही है। बच्चे एवं नौजवान खेल तमाशों का आनंद ले रहे हैं। जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी में हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० का उर्स चल रहा है। 15 दिवसीय उर्स में अकीदतमंदों की भारी भीड़ आ रही है। युवा एवं बच्चे खेल तमाशों एवं हिंडोलो का आनंद ले रहे हैं, तो महिलाएं मीना बाजार में अपनी आवश्यकताओं की वस्तुओं की खूब खरीदारी कर रही हैं। बीती रात्रि देश के प्रसिद्ध फनकार दिलशाद जख्मी ने अपनी प्रस्तुति दी। उनकी गजलों पर लोग झूमते नजर आए। दूसरी तरफ अकीदतमंदों ने दरगाह पर तबर्रूक एवं चादरपोशी करके मन्नतें मांगी। हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० की दरगाह पूरे भारत में सुप्रसिद्ध है।
यहां पर हर धर्म एवं जाति के लोग आते हैं और अपने मन की मुरादें पाते हैं। उर्स में मुख्य रूप से हकीम चमन, चौ० फहीमुद्दीन महल, इफ्तार उल हसन, मौ० आदिल, मौ० आमिर, मौ० तबरेज, हाजी कल्लन, कुवंर अदनान महल, हाजी बब्बन, अलाउद्दीन सैफी, भूरे मिस्त्री, डॉ० शहरोज मुख्तार, कोकब इक्तदार, मुस्तकीम अल्वी, सद्दन अली, अबसार अहमद, मास्टर असद, तारिक महमूद, नासिर अली एड०, मास्टर शबाहत अली, वहाब अहमद, मुईन उददीन आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# गजरौला में भाजपा नेता ने पत्रकारों के साथ की प्रेस कॉन्फ्रेंस, विपक्षी अधिवक्ता पर लगे आरोपों को बताया सही

## कहा: फर्जी दस्तावेजों में खुद को वादी और गवाह बताकर प्रशासन व जनता को कर रहे गुमराह

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के गजरौला नगर कोतवाली में इस समय एक अधिवक्ता और भाजपा नेता के बीच जमीनी विवाद के चलते प्रेस वाताओं का दौर चल रहा है। जिसमें दोनों पक्ष एक के बाद एक पत्रकारों के साथ क्षेत्र में प्रेस वाताएं कर रहे हैं और एक दूसरे के ऊपर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इस विवाद के चलते क्षेत्र में यह चौथी प्रेस वार्ता है जिसको थाना क्षेत्र निवासी भाजपा नेता वेदपाल सिंह चौधरी ने अपनी आवास पर किया। जिसमें वेदपाल सिंह ने नगर निवासी अधिवक्ता पर लगे आरोपों को दस्तावेजों के आधार पर सही साबित करने की बात कही है। बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के गांव यक बगड़ी निवासी भाजपा नेता द्वारा इस जमीनी मामले में यह दूसरी बार प्रेस वार्ता की गई है जिसमें उन्होंने नगर निवासी अधिवक्ता पर लगे आरोपों को दस्तावेजों के आधार पर सही बताया है उन्होंने कहा है कि अधिवक्ता द्वारा की गयी प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने जो मीडिया के सामने अपनी बेगुनाही के साक्ष्य पेश किये वह फर्जी हैं जिनमें उसने अपने आपको वादी और गवाह बताया है जो सरासर गलत है ।भाजपा नेता वेदपाल सिंह ने उन्हीं मामलों से जुड़े दस्तावेजों को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों को दिखाया और कहा कि मेरे पास जो उनके आरोपी होने के दस्तावेज हैं वह बिल्कुल सही है जिनमें वह ना तो वादी है और ना ही गवाह। इन सभी मुकदमों में अधिवक्ता जमानत के तौर पर बाहर घूम रहे हैं। जिन पर हिरण तस्करी, गौ हत्या , रंगदारी एवं भूमि कब्जे जैसे गंभीर मामले न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि मैं सरकार और प्रशासन से मांग करता हूं कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें। ताकि उन बेजुबान जानवरों एवं लोगों को न्याय मिल सके और मुझे पूरा यकीन है कि प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि जब से मैंने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से लोगों के सामने उनकी पोल खोली है तब से मेरे पास लोगों के फोन आ रहे हैं कोई मुझसे कहता है कि उन्होंने मेरे 10 लाख रुपए मार लिए हैं कोई 2 लाख बताता है कोई 5 लाख बताता है इस तरह से इन्होंने आम जनता के भी पैसे लूट रखे हैं यदि यह लोग इनसे अपने पैसे की मांग करते हैं तो अधिवक्ता द्वारा उन्हें डराया धमकाया जाता है और कहा जाता है कि तुम्हें झूठे मुकदमों में फंसा कर जेल भेज देंगे। प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से भाजपा नेता वेदपाल सिंह ने सरकार से एवं प्रशासन से उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

# धनौरा के चुचैला कलां में शराब की दुकान खोलने को लेकर प्रदर्शन

## रोक लगाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन,दी आन्दोलन की चेतावनी

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव चुचैला कलां में शराब की दुकान खोलने को लेकर ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि गांव में आबादी के बीच हम शराब की दुकान नहीं खुलने देंगे। इसके विरोध में बुधवार को बड़ी संख्या में महिला और पुरुष धनौरा तहसील पहुंचे और इस समस्या से संबंधित मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम धनौरा को सौंपा। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि आबादी के बीच शराब की दुकान खोली गई तो हम आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि प्रदर्शनकारी ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक ताजपुर कल्लू मार्ग पर घनी आबादी वाले क्षेत्र में शराब की दुकान खोलने की तैयारी चल रही है।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित दुकान के आसपास बड़ी संख्या में परिवार रहते हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक लाइब्रेरी, हिंदू श्मशान घाट, दरगाह और धर्मशाला जैसे सार्वजनिक स्थल स्थित हैं।ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की कि आबादी क्षेत्र में शराब की दुकान खुलने से सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा और बच्चों तथा युवाओं पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने आशंका जताई कि दुकान खुलने के बाद क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा भी प्रभावित होगी।ग्रामीणों ने प्रशासन से जनहित, बच्चों के भविष्य और धार्मिक भावनाओं का ध्यान रखते हुए प्रस्तावित दुकान को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो गांव स्तर पर व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।ज्ञापन सौंपने वालों में राजेश कुमार, विपिन कुमार, भोले सैनी, भगवंत सैनी, चेतना सैनी, अहसान सैफी, पवन सैनी, कलवा सैनी, मनमोहन सैनी, शंकर सैनी, डॉ. नफीस, कमालुद्दीन, दानिश, मोनिश, आफताब, मुजीब, मोहित सैनी, सत्तार, अशोक, राजपाल, बबलू, विकास, रोहित, सलमान, उस्मान अली, महफूज, रामकली, पिंकी, सर्वती, मीनू, बानो, नरगिस सैफी सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

# जिलाधिकारी ने नशे के खिलाफ अभियान छेड़ने की आवश्यकता पर दिया जोर

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ जी की अध्यक्षता में कलेक्टेट सभागार में स्वापक नियन्त्रण (एन0सी0 ओर0आर0डी0) के परिप्रेक्ष्य में नीति विषयक मामलों में सुधार के मैकैनिज्म को विकसित किये जाने के सम्बन्ध में मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिलाधिकारी ने नशे के खिलाफ अभियान छेड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा समाज के लिए नासूर की भांति है, जिसकी चपेट में आने से बच्चों एवं युवा पीढ़ी को बचाये जाने की नितांत आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग मिलकर आपसी समन्वय स्थापित करके अधिक से अधिक प्रचार प्रसार और जागरूकता फैलाएं ताकि बच्चे आगे चलकर अच्छे नागरिक बन सके। जलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संचालित सभी मेडिकलों पर चेकिंग करने जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालय में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाए और अभियान चलाकर विद्यालय में बच्चों को नशे के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दें और अधिक से अधिक प्रचार करें। उन्होनें कहा कि जनपद में कही पर भी अबैध शराब न बने और न ही उसकी बिक्री हो इस पर रोक लगाने के लिये सघन चेकिंग कर आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होनें कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करते हुए लोगों को विशेषकर आज की युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। कहा कि एक विशेष कार्य योजना बना कर नशा मुक्ति अभियान पर प्रभावी कार्यवाही करें। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी, ज्वाइंट डायरेक्टर अभियोजन, जिला प्रोबेशन अधिकारी के अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग आदि सम्बन्धित अधिकारी आरै कर्मचारी उपस्थित रहें।

# जनपद में भव्यता से मनाया जायेगा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:- जिलाधिकारी

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी डॉक्टर नितिन गौड़ जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयुष विभाग द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 एवं योग सप्ताह 15 जून 2026 से 21 जून 2026 तक के सफल आयोजन हेतु द्वारा गठित समिति के सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया जिसमें गत वर्षों की भांति इस बार भी जनपद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को और भी भव्य रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 21 जून 2026 को राजकीय मिनी स्टेडियम में योग दिवस का आयोजन किया जाएगा और इसी के साथ 15 जून 2026 को योग सप्ताह मनाया जाएगा जिसका उद्घाटन योग सप्ताह के प्रथम दिन 15 जून 2026 को गंगा घाट तिगरी पर उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। शुभारंभ हेतु तहसीलों ब्लॉकों एवं ग्राम पंचायत में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक योगाचार्य नितीश भारद्वाज द्वारा बैठक का शुभारंभ सभी अधिकारियों के साथ 5 मिनट का योगा ब्रेक मनाकर किया तथा सभी विभाग के कार्यालयों मे इसे लागू करने के निर्देश दिए।
समिति के संयोजक क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ अमरदीप सिंह नायक ने बताया कि जनपद में सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं से समन्वय कर योग दिवस 2026 की थीम yoga for Healthy Ageing के साथ मुख्यालय से लेकर गांव तक योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया की आयुष विभाग के मास्टर योग ट्रेनर नितीश भारद्वाज एवं उनके द्वारा तैयारी किये गए योग प्रशिक्षकों द्वारा कॉमन योगा प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण सभी सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों को दिलाया जाएगा। योग सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के छाया चित्र एवं वीडियो kavach.upayush.in पर अपलोड किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा 14 जून 2026 को आयुष मंत्रालय एवं Habuild Healthech pvt.Ltd के संयुक्त तत्वाधान में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाने हेतु प्रातः 6.15 से 7.35 तक 180031 57008 पर मिस कॉल द्वारा स्वयं को रजिस्ट्रेशन कर सभी जनपद वासियों से प्रतिभागी करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद की समस्त सीएचसी एवं पीएचसी में आशा और आंगनबाड़ियों को अच्छे प्रकार ट्रेनिंग दी जाए और सभी पर योग दिवस कुशलता पूर्वक मनाया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रए पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमारए मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, आयुष विभाग के नोडल अधिकारी डॉ प्रतीक अग्रवाल, ऋषभ कुमार, एवं विभिन्न संस्थाओ से मनवीर सिंह, डॉ वी.के सैनी, डॉ नवीन खरे,किरन , सविता ,अर्चना ,कपिल कुमार, अजय, शिखा सारस्वत, सुरेश अरोड़ा, सुभाष गुप्ता जी आदि उपस्थित रहें।

# मंडी धनौरा में संचालित अवैध अस्पताल एवं लैबों के प्रति स्वास्थ्य विभाग का कड़ा रुख

## सीएमओ की चेतावनी-:क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पताल व लैब होंगे बंद

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का गुरुवार को जनपद के नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रमाकांत सागर ने औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई को सीएमओ डॉ रमाकांत सागर ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार मंडी धनौरा पहुंचने पर किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने शख्ती से पेश आते हुए चेतावनी दी कि स्वास्थ्य विभाग के अभियान अब केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि उनका धरातल पर भी बड़ा एक्शन दिखाई देगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में किसी भी कीमत पर अवैध क्लिनिक ,अस्पताल अवैध पैथोलॉजी लैब संचालित नहीं होने दिए जाएंगे। बता दें कि निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर ने सीएचसी की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने दवाई रूम का निरीक्षण कर स्टॉक की स्थिति जांची। इसके बाद एक्स-रे रूम का भी मुआयना किया। सीएमओ ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद किया। उन्होंने मरीजों से पूछा कि उन्हें अस्पताल से मुफ्त दवाएं मिल रही हैं या बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। निरीक्षण में स्वास्थ्य केंद्र की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गईं, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य माफियाओं के खिलाफ जल्द ही बड़े स्तर पर जिलाव्यापी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने हाल ही में सील किए गए अवैध अस्पतालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इन सभी बंद पड़े सेंटरों की जल्द ही निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। सीएमओ ने साफ किया कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी फर्जी डॉक्टर या अवैध संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा।सीएमओ ने मंडी धनौरा सीएचसी में सुविधाओं के विस्तार का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यहां गर्भवती महिलाओं को और अधिक बेहतर व सुरक्षित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए शासन स्तर से जल्द ही नए डॉक्टरों की तैनाती कराने का प्रयास किया जाएगा।इस अवसर पर उनके साथ डिप्टी सीएमओ डॉ. सतीश भास्कर, डॉ. राहुल कुमार, बीपीएम अभिषेक वर्मा और शैली यादव, डाक्टर अनामिका चौधरी, डाक्टर कुलदीप शर्मा, डाक्टर प्रशांत कुमार, डाक्टर मंदीप कुमार, डाक्टर मुस्कान,भी मौजूद रहे।

# नगर पालिका प्रशासन ने यातायात पुलिस के साथ चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

**अमरोहा (सब का सपना):-** नगर पालिका परिषद द्वारा यातायात पुलिस के साथ नगर के टी. पी. चौराहा से बिजनौर रोड की ओर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत सरकारी मार्ग व नाले पर ठेले, खोमचे, फड, रेस्टोरेंट, दुकानदारों आदि द्वारा सामान, थैला, फड, स्टाल, तंदूर आदि रख कर किये गए अतिक्रमण को हटवाते हुए मार्ग पर अवैध रूप से रखे सामान को जब्त किया गया, साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलीथिन का प्रयोग करने वाले ठेले, दुकानदारों से प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलीथिन जब्त करते हुए जुमार्ना भी वसूला गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा बताया गया की नगर मे विभिन्न स्थानों पर ठेले, फड, स्टाल, होटल, रेस्तरा, आदि द्वारा सरकारी नाले - नाली, मार्ग पर अपने दुकान, फड, होटल का सामान आदि रख कर मार्ग को संकरा एवं अतिक्रमित कर दिया गया है, वर्तमान मे मार्गो पर यातायात के बढ़ते दबाव एवं घनत्व के कारण जाम व अवरोध की स्थिति रहती है। बीते दिनों रोड सेफ्टी की जिला स्तरीय बैठक ने विभिन्न समाजसेवीयो, जागरूक नागरिकों, व्यापारीगण द्वारा इसके समाधान की मांग उच्च अधिकारियो से की गयी। इसी के दृष्टिगत नगर को जाम से मुक्ति दिलाये जाने, मार्गो पर यातायात की सुगमता सुनिश्चित किये जाने एवं शासन की मंशानुरूप सार्वजनिक मार्गो आदि को अतिक्रमण से मुक्त कराये जाने के उद्देश्य से नगर मे इस आशय का प्रचार करवाया जा रहा है की ऐसे भवन, दुकान स्वामी, फड - ठेले, खोमचे, स्टाल, रेस्टोरेंट आदि जिन्होंने अपने मकान, दुकान, का सामान सरकारी मार्ग पर रख लिया है अथवा ठेले आदि जो मार्ग पर अनियंत्रित व अव्यवस्थित रूप से खड़े होकर मार्गो को अतिक्रमित कर रहे हैं वह तत्काल सरकारी मार्गो पर अवैध रूप से अव्यस्थित रखे गए सामान को स्वयं हटवा लें तथा फड ठेलो आदि को व्यवस्थित रूप से खड़ा कर लें। इसी क्रम मे नगर के टीपी चौराहा से बिजनौर रोड की ओर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया जिसका नेतृत्व पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा किया गया, अभियान मे यातायात निरीक्षक, पालिका कर अधीक्षक केशव प्रसाद, पालिका अतिक्रमण अभियान प्रभारी प्रज्वल चौहान सहित बड़ी संख्या मे पालिका कार्मिक व यातायात पुलिस के जवान उपस्थित रहे।

# गंगा एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा, दो ट्रकों की टक्कर में दो घायल

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** गंगा एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह तड़के एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से दौड़ रहे दो ट्रक आपस में भिड़ गए, जिससे दो लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और एक्सप्रेस-वे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। चिकित्सकों के अनुसार हादसा सुबह के समय हुआ, जब गंगा एक्सप्रेस-वे पर दो ट्रकों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद दोनों लोगों को चोटें आईं। सूचना मिलते ही यूपीडा की एम्बुलेंस और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे में परवेज पुत्र अमीर अहमद (35) एवं आरिफ पुत्र नसीर अहमद (40) निवासी ग्राम कसार पिंडौल, जनपद मेरठ घायल हो गए। दोनों को यूपीडा एम्बुलेंस की सहायता से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया।

अस्पताल में उनका उपचार जारी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण तेज गति और वाहन नियंत्रण में कमी माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने और गति सीमा का पालन करने की अपील की है।

# सर्पदंश के बाद अस्पताल ले जाने में हुई देरी, 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

**जब बुजुर्ग की हालत ज्यादा बिगड़ी तो परिजन उन्हें लेकर पहुंचे थे सरकारी अस्पताल लेकिन जब तक हो चुकी थी देर**

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** अंधविश्वास और झाड़फूंक के भरोसे इलाज कराने की प्रवृत्ति एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। गुरुवार सुबह खेत पर गए एक बुजुर्ग को सर्प ने काट लिया, लेकिन परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय करीब दो घंटे तक झाड़फूंक कराने वालों के पास लेकर घूमते रहे। हालत बिगड़ने पर जब उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया तो उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महेश गौतम (65) पुत्र रामभजन निवासी स्टेशन रोड, बहजोई गुरुवार सुबह अपने खेत पर गए थे। इसी दौरान उन्हें किसी विषैले सर्प ने काट लिया। सर्पदंश के बाद परिजनों को घटना की जानकारी मिली, लेकिन उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़फूंक करने वालों के पास ले जाया गया। परिजन करीब दो घंटे तक विभिन्न स्थानों पर इलाज की उम्मीद में भटकते रहे। जब बुजुर्ग की हालत लगातार बिगड़ने लगी तो परिजन उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचे। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। उपचार के दौरान महेश गौतम ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव को अपने साथ घर ले गए। मोहल्ले और क्षेत्र में घटना को लेकर शोक की लहर है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सर्पदंश की स्थिति में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। ऐसे मामलों में झाड़फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपायों के बजाय मरीज को तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना चाहिए, जहां एंटी-स्नेक वेनम सहित आवश्यक उपचार उपलब्ध होता है।

यह घटना एक बार फिर इस बात की याद दिलाती है कि अंधविश्वास और देरी कई बार जानलेवा साबित हो सकती है। यदि सर्पदंश के तुरंत बाद महेश गौतम को अस्पताल पहुंचाया जाता, तो उनकी जान बचने की संभावना कहीं अधिक हो सकती थी। स्वास्थ्य विभाग लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है कि सर्पदंश होने पर झाड़फूंक के चक्कर में न पड़ें और तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

# बारिश ने बदला मौसम का मिजाज चिलचिलाती गर्मी से मिली लोगों को राहत

**संभल(सब का सपना):-** जनपद में बुधवार शाम और गुरुवार सुबह हुई बारिश ने लोगों को चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से बड़ी राहत दिलाई। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से परेशान लोगों ने बारिश के बाद राहत की सांस ली। मौसम में अचानक आए बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई और वातावरण सुहावना हो गया। बुधवार देर शाम शुरू हुई बारिश ने जिले के कई क्षेत्रों को भिगो दिया। इसके बाद गुरुवार सुबह भी रुक-रुक कर बारिश होती रही। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के चेहरे भी खिल उठे। खेतों में खड़ी फसलों और पशुओं को भी मौसम परिवर्तन का लाभ मिला। पिछले कुछ दिनों से जिले में तापमान लगातार बढ़ रहा था। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा था। बिजली की बढ़ती मांग और उमस भरी गर्मी से लोग खासे परेशान थे। ऐसे में बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया और जनजीवन को राहत पहुंचाई।

बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया, लेकिन इसके बावजूद लोगों ने इसे राहत की बारिश बताया। बाजारों, मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने ठंडी हवा और सुहाने मौसम का आनंद लिया। बच्चों और युवाओं में भी बारिश को लेकर उत्साह दिखाई दिया।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। फिलहाल बारिश के बाद संभल जिले में गर्मी का प्रकोप कम हुआ है और लोगों को तपती धूप से काफी राहत मिली है। बारिश ने न केवल तापमान को नीचे लाने का काम किया बल्कि वातावरण को भी ताजगी से भर दिया।

# बंद मकानों को बनाते थे निशाना, तीन चोरी की घटनाओं का खुलासा,दो गिरफ्तार

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** थाना पुलिस ने क्षेत्र में हुई तीन अलग-अलग चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का माल तथा चोरी किए गए सामान को बेचकर प्राप्त की गई नकदी भी बरामद की है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम पंवासा निवासी मदनलाल पुत्र किशनलाल सिंह ने थाना बहजोई में तहरीर देकर बताया था कि 23 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने उनके भाई मनोज कुमार के बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर घर में रखी अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण, 30 हजार रुपये की नकदी, एलसीडी, पीतल के बर्तन समेत अन्य सामान चोरी कर लिया था। इस संबंध में थाना बहजोई में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी प्रकार चितौरा रोड निवासी रहीस सैफी पुत्र शमसुद्दीन सैफी ने 2 अप्रैल को घर में रखी अलमारी का ताला खोलकर सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी चोरी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं बंबा रोड, काली मंदिर निवासी सरोज पत्नी स्वर्गीय भगवानदास ने भी अपने घर से जेवरात, चांदी के सिक्के और पीतल के बर्तन चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए प्रभारी निरीक्षक बहजोई के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को मुजिम पुत्र असलम तथा अय्या उर्फ तहजीब पुत्र आलम हुसैन को संभल जाने वाले मार्ग पर चितौरा रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि वे दिन में गलियों और मोहल्लों में घूमकर बंद पड़े मकानों एवं दुकानों की रेकी करते थे। रात होने पर मौका देखकर ताले तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। चोरी किए गए सामान को चितौरा रोड स्थित खेत में बने एक खंडहर में छिपाकर रखा जाता था। बाद में वे चोरी का सामान राह चलते लोगों को कम कीमत पर बेच देते थे और उससे मिले पैसों को अपने शौक पूरे करने में खर्च करते थे।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक बोरे में भरे पीतल के बर्तन तथा चोरी का सामान बेचकर प्राप्त 14,360 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है और उनसे अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।

# जनगणना कार्य में गवां नगर पंचायत बनी अव्वल, डीएम ने टीम को किया सम्मानित

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत संचालित मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में जनपद संभल में सबसे पहले कार्य पूर्ण करने पर नगर पंचायत गवां की जनगणना टीम को सम्मानित किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अंकित खण्डेलवाल तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्य की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना किसी भी देश की विकास योजनाओं, संसाधनों के प्रबंधन और नीतिगत निर्णयों का महत्वपूर्ण आधार होती है। ऐसे में जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत गुणवत्ता के साथ पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत गवां की टीम ने पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ कार्य करते हुए जनपद में सबसे पहले मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण कर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। सम्मानित किए गए अधिकारियों और कर्मचारियों में नगर पंचायत गवां के अधिशासी अधिकारी एवं चार्ज अधिकारी श्वेतांक सारस्वत, चार्ज लिपिक अशोक कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर कुवेन्द्र सिंघल, सुपरवाइजर उदयभान सिंह, डिम्पल त्यागी एवं पुष्कर शर्मा तथा प्रगणक मुकेश कुमार, दिव्या श्रीवास्तव, ममता कुमारी, नीलम सैनी सहित अन्य कार्मिक शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सभी सम्मानित कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता अन्य जनगणना टीमों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी जनगणना कार्य भी इसी उत्साह और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी जनगणना आशुतोष तिवारी, जिला प्रभारी जनगणना अनिल कुमार मौर्य सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

# विकास प्राधिकरण गठन की तैयारी तेज, डीएम ने मांगे विभागों और निकायों से सुझाव

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के सुनियोजित विकास और बेहतर आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में विकास प्राधिकरण के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित विकास प्राधिकरण के गठन, उसके उद्देश्य और कार्यक्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विकास प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों ने प्राधिकरण के गठन की प्रक्रिया, उसकी आवश्यकता तथा भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से सुझाव प्राप्त करते हुए प्राधिकरण के गठन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने निर्देश दिए कि विकास प्राधिकरण के गठन से पूर्व सभी नगर निकायों से आवश्यक सुझाव प्राप्त किए जाएं, ताकि स्थानीय आवश्यकताओं और जनहित के मुद्दों को भी योजना में शामिल किया जा सके। उन्होंने उद्योग विभाग को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि प्लेज पार्क एवं औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित ग्रामों को विकास प्राधिकरण के दायरे में शामिल किए जाने की संभावनाओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकायों के आसपास तेजी से विकसित हो रही आवासीय प्लाटिंग और अन्य निर्माण गतिविधियों में आधारभूत सुविधाओं का समुचित विकास सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर बिना सुनियोजित व्यवस्था के कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, जिससे भविष्य में नागरिकों को सड़क, जल निकासी, पेयजल और विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के किनारे स्थित ग्रामों में हो रही प्लाटिंग का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे क्षेत्रों में विकास कार्यों के दौरान सड़क, ड्रेनेज, बिजली, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। विकास प्राधिकरण का गठन इन सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित और नियोजित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास प्राधिकरण बनने से जनपद में योजनाबद्ध विकास को बढ़ावा मिलेगा, अवैध और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण स्थापित होगा तथा नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने विभागों से संबंधित सुझाव एवं प्रस्ताव समय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे गठन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, उप जिलाधिकारी संभल निधि पटेल, उप जिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, डिप्टी कलेक्टर रामानुज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# समूह सखी M4 प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर सामुदायिक संस्थाओं के तीनों स्तंभों एवं ग्राम संगठन की भूमिका पर दिया गया प्रशिक्षण

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा CMTC अमरोहा में आयोजित चार दिवसीय समूह सखी ट4 प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर प्रशिक्षक महेश सिंह ने प्रतिभागी समूह सखियों को सामुदायिक संस्थाओं के तीनों स्तंभ– स्वयं सहायता समूह (SHG), ग्राम संगठन (VO) एवं क्लस्टर स्तरीय महासंघ (CLF)—की भूमिका, महत्व तथा आपसी समन्वय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षक महेश सिंह ने बताया कि स्वयं सहायता समूह (SHG) सामुदायिक संस्थाओं की पहली और सबसे बुनियादी इकाई है, जहां महिलाएं नियमित बचत, आंतरिक ऋण, वित्तीय अनुशासन एवं सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया सीखती हैं। इसके ऊपर ग्राम संगठन (VO) का गठन होता है, जो गांव के कई स्वयं सहायता समूहों को एक मंच पर लाकर उनके कार्यों में समन्वय स्थापित करता है। वहीं क्लस्टर स्तरीय महासंघ (CLF) कई ग्राम संगठनों का संघ होता है, जो बड़े स्तर पर संस्थागत विकास, आजीविका संवर्धन, बैंक लिंकेज और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि ग्राम संगठन स्वयं सहायता समूहों का एक सामूहिक मंच है, जिसका उद्देश्य गांव के सभी समूहों को एकजुट कर उनकी क्षमता बढ़ाना, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना तथा सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति देना है। ग्राम संगठन के माध्यम से समूहों के बीच समन्वय स्थापित होता है, बैंक लिंकेज एवं सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त होता है तथा समूहों की समस्याओं का सामूहिक समाधान संभव हो पाता है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ग्राम संगठन बचत, आंतरिक ऋण व्यवस्था एवं वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता का विकास करता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी ग्राम संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा आगे चलकर मजबूत CLF के निर्माण का आधार बनता है। महेश सिंह ने ग्राम संगठन के गठन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक गांव या राजस्व ग्राम में कार्यरत 8 से 15 सक्रिय स्वयं सहायता समूहों को मिलाकर ग्राम संगठन का गठन किया जाता है। प्रत्येक समूह अपने दो प्रतिनिधियों का चयन करता है, जो ग्राम संगठन की बैठक में भाग लेते हैं। प्रतिनिधियों द्वारा संगठन का नाम, उद्देश्य एवं नियम तय किए जाते हैं तथा अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं विभिन्न उपसमितियों का लोकतांत्रिक तरीके से चयन किया जाता है। इसके बाद नियमित बैठकें, अभिलेख संधारण एवं बैंक खाते के माध्यम से संगठन अपनी गतिविधियों का संचालन करता है। प्रशिक्षण के अंत में प्रशिक्षक महेश सिंह ने कहा कि समूह सखी M4 प्रशिक्षण का उद्देश्य समूह सखियों को SHG, VO एवं CLF जैसे सामुदायिक संस्थाओं के तीनों स्तंभों की कार्यप्रणाली से परिचित कराना है, ताकि वे गांव स्तर पर महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं संस्थागत सशक्तिकरण में प्रभावी भूमिका निभा सकें और समुदाय आधारित संस्थाओं को आत्मनिर्भर एवं मजबूत बना सकें। कार्यक्रम में उपस्थित इफ्त राजो देवी व समूह सखियों ने प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता की तथा ग्राम संगठन एवं CLF को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने अनुभव एवं सुझाव भी साझा किए।

# गजरौला क्षेत्र में गुम हुए दो नाबालिग बच्चों की पुलिस ने की सकुशल बरामदगी,परिजनों को सौंपा

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत गजरौला पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में गुमशुदा हुए दो नाबालिग बच्चों को सकुशल बरामद किया है और न्यायालय के आदेश पर उसके परिजनों को सौंप दिया है। बता दें कि इस मामले में 6 जून 2026 की सुबह गजरौला थाना के मोहल्ला अंबेडकरनगर निवासी रोशन पुत्र राम सकल मूल निवासी छपरा बिहार ने दो नाबालिक बच्चों के गुमशुदा होने की लिखित तहरीर थाना गजरौला को प्राप्त कराई थी। तहरीर के आधार पर गजरौला थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था इस मामले में गुमशुदा बच्चों की बरामदगी हेतु थाना स्थानीय टीम गठित कर बरामदगी के भ्रसक प्रयास करते हुए जानकारी प्राप्त हुई की गुमशुदा दोनों बच्चे छपरा बिहार में अपने रिश्तेदारी में मौजूद हैं ,थाना स्थानीय से तत्काल एक पुलिस टीम छपरा बिहार रवाना हुई और दोनों बच्चों की छपरा बिहार उनकी रिश्तेदारी से सकुशल बरामदगी की गई। बरामदसुदा दोनों बच्चों के बयान न्यायालय के समक्ष करने के उपरांत उचित आदेश प्राप्त होने के बाद बच्चों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने दोनों बच्चों को सकुशल प्राप्त कर पुलिस का धन्यवाद किया।

# बिजनौर में एचएफ गाय ने एक साथ तीन बछियों को दिया जन्म, दुर्लभ घटना देखने उमड़े ग्रामीण

**रेहड़/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद बिजनौर के रेहड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम किरतपुर में एक बेहद दुर्लभ और आश्चर्यजनक घटना सामने आई है। यहां एक होल्स्टीन फ्रिज़ियन (एचएफ) नस्ल की गाय ने एक ही प्रसव में तीन स्वस्थ बछियों को जन्म दिया। इस अनोखी घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों का तांता लग गया और लोग इस दुर्लभ नजारे को देखने पहुंचने लगे। जानकारी के अनुसार गाय का लगभग नौ माह पूर्व कृत्रिम गभार्धान कराया गया था। प्रसव के समय पहले एक और फिर लगातार दो अन्य बछियों के जन्म से पशुपालक परिवार भी हैरान रह गया। तीनों नवजात बछियां तथा उनकी मां पूरी तरह स्वस्थ बताई जा रही हैं। पशुपालन क्षेत्र के जानकारों के अनुसार किसी गाय द्वारा एक साथ तीन बछियों को जन्म देना अत्यंत दुर्लभ घटना है। सामान्यतः गाय एक बछड़े या बछिया को जन्म देती है, जबकि जुड़वा प्रसव भी कम ही देखने को मिलता है। एक ही प्रसव में तीन स्वस्थ बछियों का जन्म लाखों मामलों में किसी एक घटना के रूप में माना जाता है। इस अनोखी घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। ग्रामीण इसे प्रकृति का अनूठा करिश्मा और शुभ संकेत मान रहे हैं। पशुपालकों और पशु विशेषज्ञों का भी इस मामले की ओर ध्यान आकर्षित हुआ है। ग्राम किरतपुर में गाय और उसकी तीनों बछियों को देखने के लिए दिनभर लोगों का आना-जाना लगा रहा। क्षेत्र में यह घटना कौतूहल और चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई है।

# 14 जून को होने वाली प्रवक्ता प्रारम्भिक परीक्षा नकलविहीन व शांतिपूर्ण कराने के निर्देश

## डीएम जसजीत कौर ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रवक्ता (पुरुष/महिला) प्रारम्भिक परीक्षा-2025 के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि 14 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि परीक्षा व्यवस्था में अव्यवस्था पैदा करने अथवा अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने परीक्षा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई दिशा-निर्देश पुस्तिका (हैंडबुक) का गहन अध्ययन करने और उसमें वर्णित सभी प्रावधानों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करे। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा से पूर्व सभी परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर लिया जाए और यदि कहीं कोई कमी हो तो उसे तत्काल दूर कराया जाए। सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर आवश्यकता अनुसार क्लॉक रूम बनाया जाए तथा परीक्षार्थियों के जमा सामान पर किसी भी प्रकार का शुल्क न लिया जाए। डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए सभी कार्मिकों के परिचय पत्र समय से जारी किए जाएं तथा बिना परिचय पत्र किसी भी कर्मचारी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश न दिया जाए। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों, प्रवेश एवं निकास द्वारों, गलियारों और विशेष रूप से परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से क्रियाशील रखने के निर्देश दिए।

साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जनरेटर की व्यवस्था करने को कहा।

उन्होंने सभी केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को परीक्षा केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी करने तथा पुलिस विभाग को पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, जिला कृषि अधिकारी डॉ. घनश्याम वर्मा, सभी उप जिलाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में होगी आसानी:- डीएम जसजीत कौर

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आधार एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसके माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आधार का समय-समय पर अद्यतन (अपडेट) होना आवश्यक है, क्योंकि अपडेटेड आधार होने से नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलती है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधार से संबंधित सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा जिन नागरिकों का आधार अभी तक अपडेट नहीं हुआ है, उन्हें समयबद्ध तरीके से यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जनपद में संचालित सभी आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्रों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे केंद्र, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं या जिनके विरुद्ध लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी केंद्रों पर आमजन को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा आधार संबंधी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में 0 से 5 वर्ष तथा 5 से 7 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आधार नामांकन एवं 5 वर्ष और 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों के अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत बच्चों का आधार नामांकन और बायोमीट्रिक अद्यतन कराया जाए। उन्होंने आधार बनाने एवं अपडेट करने वाले विभागों को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की विधिवत जांच के बाद ही आधार बनाया या अपडेट किया जाए, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न हो। वहीं, बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिन बच्चों के आधार कार्ड अभी तक नहीं बने हैं, उनके जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

# शादी से लाए गए रसगुल्ले खाने से फूड प्वाइजनिंग, दो वर्षीय मासूम की मौत, कई लोग बीमार

**नांगल/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के नांगल थाना क्षेत्र के ग्राम जीतपुर में शादी समारोह से लाए गए बचे हुए रसगुल्ले खाने के बाद कथित रूप से फूड प्वाइजनिंग फैलने से हड़कंप मच गया। घटना में दो वर्षीय मासूम देव कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव की एक बुजुर्ग महिला शादी समारोह से बचे हुए रसगुल्ले घर लेकर आई थीं। परिवार के सदस्यों के साथ-साथ पड़ोसियों और रिश्तेदारों को भी ये मिठाई खिलाई गई। बताया जाता है कि रसगुल्ले खाने के कुछ ही घंटों बाद कई लोगों को उल्टी, दस्त और तेज पेट दर्द की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में राजीव के दो वर्षीय पुत्र देव कुमार की हालत गंभीर हो गई और उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। वहीं उसकी बहन पल्लवी की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा छह वर्षीय ऋतिक, नीतू, वंश सहित कई अन्य लोगों का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे तथा बीमार लोगों और परिजनों से जानकारी ली। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि लंबे समय तक रखे गए या खराब हो चुके रसगुल्ले फूड प्वाइजनिंग का कारण बने हो सकते हैं। हालांकि, वास्तविक कारण का पता जांच और खाद्य नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। इस घटना के बाद पूरे गांव में चिंता और दहशत का माहौल है। खाद्य सुरक्षा और समारोहों से बचा हुआ भोजन सुरक्षित रखने को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# 20 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद बिजनौर के धामपुर में विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद, जनपद बिजनौर के तत्वावधान में नगीना मार्ग स्थित रामगोपाल रामचंद्र सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परिसर में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए रक्तदान के महत्व को समझा तथा मानव सेवा का संदेश दिया। इस दौरान कुल 20 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद एवं अपरिचित लोगों के जीवन बचाने में अपनी सहभागिता निभाई। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई लोगों को नया जीवन देने में सहायक सिद्ध हो सकता है। शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। परिषद पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक आयोजनों में सहभागिता का आह्वान किया। शिविर को सफल बनाने में संयम जैन, भूपेंद्र शर्मा ह्यसोनू, रामजी, राजू, मुकेश राजपूत, ब्योमकेश चौहान, पुनीत गर्ग, कविता राणा, चंचल शर्मा सहित अनेक कार्यकताओं का सराहनीय योगदान रहा। आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# एबीवीपी छात्र नेता शौर्य रस्तोगी द्वारा किया गया जिला संयोजक कुणाल शर्मा का स्वागत

**बिजनौर (सब का सपना):-** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेरठ प्रांत के मुरादाबाद नगर में हुए प्रांत अभ्यास वर्ग में नगर नजीबाबाद के निवासी कुणाल शर्मा को जनपद बिजनौर के जिला संयोजक बनाए जाने पर छात्र नेता शौर्य रस्तौगी जी द्वारा नगर स्योहारा में किया गया धूमधाम तरीके से स्वागत। छात्र नेता शौर्य रस्तौगी जी ने जिला संयोजक कुणाल शर्मा जी को बधाईयां एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके ऊजार्वान नेतृत्व से एबीवीपी बिजनौर संगठन द्वारा नया कीर्तिवान स्थापित करने एवं छात्रहितों के लिए सदैव अग्रणी रहने की आशा जगाई ।

# 12 और 13 जून को आंधी-तूफान व वज्रपात की संभावना, जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

**बिजनौर (सब का सपना):-** मौसम विभाग द्वारा 12 एवं 13 जून को जनपद बिजनौर में आंधी, तेज हवाओं, वर्षा तथा वज्रपात की संभावना जताए जाने के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) देवेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि संभावित खराब मौसम को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने तथा सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि खराब मौसम के दौरान विशेष सावधानी बरतें और मौसम विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि वर्षा के साथ मेघगर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है, इसलिए नागरिक अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर जाने से बचें। अपर जिलाधिकारी ने सलाह दी कि वज्रपात के दौरान खुले मैदान, खेत, तालाब, नदी, नहर और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा पेड़ों के नीचे शरण न लें। सुरक्षित पक्के भवनों में ही आश्रय लें। उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल टावर, विद्युत खंभों, ऊंची इमारतों, धातु की वस्तुओं और बिजली के उपकरणों से दूरी बनाए रखें। किसानों से विशेष रूप से अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान खेतों में कार्य न करें और सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। यदि कोई व्यक्ति खुले स्थान पर फंस जाए तो दोनों पैरों को मिलाकर नीचे झुक जाए, लेकिन जमीन पर न लेटे। उन्होंने नागरिकों को 30-30 नियम अपनाने की सलाह दी। इसके अनुसार यदि बिजली चमकने के 30 सेकंड के भीतर गर्जन सुनाई दे, तो तुरंत सुरक्षित स्थान पर चले जाएं और अंतिम गर्जन के कम से कम 30 मिनट बाद ही बाहर निकलें।

प्रशासन ने आंधी-तूफान के दौरान घरों के दरवाजे और खिड़कियां सुरक्षित रखने, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने तथा टेलीविजन, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेटर, कूलर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग बंद रखने की सलाह दी है। वाहन चला रहे लोगों से कहा गया है कि वे सुरक्षित स्थान पर वाहन रोककर उसके भीतर ही रहें तथा पेड़ों और विद्युत लाइनों के पास वाहन खड़ा न करें। किसी भी आपदा, वज्रपात या अन्य आपात स्थिति की सूचना एवं सहायता के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कंट्रोल रूम 01342-262031 एवं 01342-262295 पर संपर्क किया जा सकता है। आपातकालीन स्थिति में 112, अग्निशमन सेवा के लिए 101 तथा चिकित्सीय सहायता हेतु 108 पर भी संपर्क किया जा सकता है। अपर जिलाधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे मौसम विभाग, आकाशवाणी, एफएम रेडियो, टेलीविजन तथा जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों और एडवाइजरी पर ध्यान दें तथा स्वयं सुरक्षित रहते हुए अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि एवं पशुहानि से बचा जा सके।

# लगातार पेट दर्द, वजन घटना और पाचन संबंधी समस्याओं को न करें नजरअंदाज : डॉ. राजेश कपूर

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** पैंक्रियास (अग्न्याशय) शरीर का एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो पाचन प्रक्रिया और रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता है। इसके बावजूद अग्न्याशय से जुड़ी बीमारियों के प्रति लोगों में जागरूकता की कमी है। विशेषज्ञों का कहना है कि शुरूआती लक्षणों को सामान्य पाचन संबंधी समस्या समझकर नजरअंदाज करना गंभीर परिणामों का कारण बन सकता है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के सीनियर डायरेक्टर, जीआई एवं हेपेटो-पैंक्रियाटो-बिलियरी सर्जरी विभाग के डॉ. राजेश कपूर ने बताया कि अग्न्याशय की प्रमुख बीमारियों में एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस, क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस और पैंक्रियाटिक कैंसर शामिल हैं। इन रोगों की समय रहते पहचान और उचित उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में पेट के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द होता है, जो पीठ तक फैल सकता है। इसके साथ मतली, उल्टी, पेट फूलना और बुखार जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं। वहीं, क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस में लंबे समय तक बनी रहने वाली सूजन के कारण अग्न्याशय की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है, जिससे बार-बार पेट दर्द, वजन कम होना, भोजन का सही तरीके से पाचन न होना और मधुमेह जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। धूम्रपान और शराब का सेवन इसके प्रमुख जोखिम कारक हैं। डॉ. राजेश कपूर ने कहा कि पिछले दो दशकों में अग्न्याशय की सर्जरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आधुनिक तकनीक, उन्नत इमेजिंग, अनुभवी सर्जिकल टीमों और मल्टीडिसिप्लिनरी देखभाल की मदद से जटिल पैंक्रियाटिक सर्जरी पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लगातार पेट दर्द, बार-बार पाचन संबंधी समस्याएं, बिना कारण वजन घटना, पीलिया या पेट दर्द के बार-बार होने वाले दौरे जैसे लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने से बीमारी की सही पहचान और प्रभावी उपचार संभव है।

# विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 में डिबाई की इंदु मथुरिया का जलवा, भारत के लिए जीते दो स्वर्ण पदक

**डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):-** गुजरात के अहमदाबाद स्थित ईकेए एरीना में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप-2026 में डिबाई निवासी इंदु मथुरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीतकर देश और क्षेत्र का नाम रोशन किया। उन्होंने रिदमिक पेयर एवं आर्टिस्टिक ग्रुप स्पधाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए। 4 से 8 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 60 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। इंदु मथुरिया, श्री रमेशचंद्र मथुरिया की पुत्री हैं। उत्कृष्ट संतुलन, लचीलेपन और कलात्मक प्रस्तुति के दम पर उन्होंने भारतीय दल की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इंदु की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता, प्रशिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी। उनकी सफलता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन गई है।

# डीएम की अध्यक्षता में गौआश्रय स्थलों की जिलास्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में जनपद में संचालित गौ आश्रय स्थलों के सुचारू संचालन के उददेश्य से कलैक्ट्रेट सभागार में गौआश्रय स्थलों की जिलास्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की समीक्षा बैठक आहुत की गई। डीएम ने भीषण गर्मी के दृष्टिगत सभी गौश्रय स्थलों में पेयजल, गर्मी से बचाव के लिए टाट के पर्दे, फॉगर और कूलर की व्यवस्था, चारे एवं शेड की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गौवंश संरक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिन गौशालाओं में गर्मी से बचाव के लिए टाट के पर्दे, फॉगर, पंखे और कूलर की व्यवस्था नहीं हुई है, शीघ्रता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में ग्रीष्म ऋतु में गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंश की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थायें करने, गौ आश्रय स्थलों में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों के डीवीआर की स्टोरेज क्षमता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने व उनके एंगल इस प्रकार किये जाने कि गौ आश्रय स्थल में हो रही गतिविधियों का सेंट्रल सीसीटीवी कंट्रोल रूम से ठीक प्रकार से अवलोकन हो सके। गौ आश्रय स्थलों में स्थापित बायो गैस संयंत्रों का पूर्ण क्षमता से संचालन तथा नंदी विहार गुरैठा एवं शेष वृहद गौ संरक्षण केंद्रों में नवीन बायो गैस प्लांट्स स्थापित किये जाने की समीक्षा करते हुए गौ आश्रय स्थलों में लगे बायोगैस प्लान्ट के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। मंगरौली, कालाखेड़ा, बरखेड़ा राजपूत तथा मोहम्मदाबाद की क्षमता विस्तार हेतु किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए तेजी लाते हुए कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित कर चारा उत्पादन कार्य से जोड़े जाने के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी नोडल अधिकारियों को गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करने और कोई कमी पाए जाने पर तुरंत दूर करने के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा, गौवंश संरक्षण शासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, सीवीओ डॉ0 आभा दत्त, समस्त बीडीओ एवं ईओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

6 सब का सपना हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शुक्रवार 12 जून 2026
www.sabkasapna.com

# पुलिस की मुस्तैदी से चन्द घंटों में मिला मासूम परिजनों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** नगर के मौहल्ला खेल में उस समय हड़कम्प मच गया जब एक तीन वर्षीय मासूम बच्चा खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया हालांकि स्थानीय पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तत्परता के चलते बच्चे को सकुशल ढूंढ कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है खेलते समय अचानक लापता हुआ मासूम जानकारी के अनुसार मौहल्ला खेल निवासी शकील का तीन वर्षीय पुत्र अजान घर के बाहर खेलते हुए कहीं दूर निकल गया और रास्ता भटक गया काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चा नहीं मिला तो अजान की आमा सुवना ने तुरन्त कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी पुलिस टीमों ने चलाया सघंन चैकिंग अभियान मासूम के लापता होने की सूचना मिलते ही

कोतवाली पुलिस तुरन्त एक्शन मोड में आ गई तत्काल प्रभाव से कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा, कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया इस सर्च ऑपरेशन में एसआई शुलभ कुमार, एसआई पुनीत कुमार, एस आई दर्द कुमार, महिला एसआई दीप्ती चौहान, आरती, और दिव्या, सहित स्थानीय पुलिस बल ने नगर के चप्पे-चप्पे पर बच्चे की तलाश शुरू कर दी फैन्टम सवार पुलिसकर्मी ने ढूंढ निकाला तलाश के दौरान कोतवाली की स्थानीय पुलिस फैन्टम पर तैनात पुलिसकर्मी पवन कुमार, को अजान नगर की ही एक गली में अकेला घूमता हुआ मिल गया पवन कुमार, ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बच्चे को तुरन्त अपनी सुरक्षा में लिया और कोतवाली लेकर आए परिजनों ने जताया पुलिस का आभार बच्चे के मिलने की सूचना तुरन्त उसके परिजनों को दी गई कोतवाली पहुंचे परिजन अपने जिगर के टुकड़े को सकुशल देख भावुक हो गए और उनके चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई परिजनों ने शिकारपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई संवेदनशीलता और मुस्तैदी के लिए दिल से आभार व्यक्त किया है ।

# चार दिन बाद भी नहीं मिला डुवा व्यक्ति यशपाल

**बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):-** चार दिन पहले जिला अमरोहा के थाना हसनपुर के गांव मिलक निवासी यशपाल व मनोज अपने दोस्तों के साथ भगवानपुर गंगा पर स्नान करने आए थे,नहाते नहाते अचानक गहरे पानी में चले गये, जिसमें मनोज व यशपाल तो पानी में डूब गये बाकी पानी से बहार निकल आये । तभी से गोताखोर व एनडीआरएफ की संयुक्त टीमें दोनो को तलाश करने में लगी हुई है । मनोज का शव बुधवार को मिल गया था। स्थानीय पुलिस ने मनोज के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये जिला

अस्पताल भेज दिया था लेकिन यशपाल का शव अभी तक नही मिला है। शव को देखने के लिए गंगा किनारे काफी भीड़ जुटी है । समाचार लिखे जाने तक यशपाल नही मिला है लेकिन एनडीआरएफ की टीम व गोताखोर तलाशने में कार्यरत हैं।

# देर रात तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** नगर में देर रात अचानक मौसम ने करवट ले ली तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश से गर्मी से बेहाल लोगों को काफी राहत मिली और मौसम सुहाना हो गया हालांकि इस बारिश के कारण नगर की बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई और बिजली गुल रही पिछले कई दिनों से पड़ रही चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से त्रस्त नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उस समय बड़ी राहत मिली, जब आसमान मे गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस अचानक हुई बरसात से तापमान में

भारी गिरावट दर्ज की गई है और पूरा मौसम खुशनुमा हो गया है। तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई तेज बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस और लू हिटवेव का असर पूरी तरह खत्म हो गया। जहां एक तरफ इस बारिश ने आम जनमानस को झुलसाने वाली गर्मी से तात्कालिक राहत दी है। वहीं किसान भी अपनी फसलों विशेषकर इस सीजन की सब्जियों और अन्य फसलों पर इसके प्रभाव को लेकर मौसम के बदलते रुख पर नजर बनाए हुए है ।

# बिजली तार चोर गिरोह की चौकड़ी गिरफ्तार, 136 किलो तार व अवैध हथियार बरामद

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** सलेमपुर थाना पुलिस और स्वाट टीम देहात की संयुक्त कार्रवाई में बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 136 किलोग्राम चोरी का बिजली तार, चोरी में प्रयुक्त उपकरण तथा एक तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। थाना प्रभारी नितिन जावला एवं स्वाट टीम देहात प्रभारी लोकेश अग्निहोत्री ने बताया कि क्षेत्र में सक्रिय तार चोर गिरोह के कारण किसानों और विद्युत विभाग को लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा था। मुखबिर की सूचना पर याकूबपुर रोड स्थित बंबा पुलिया के पास से चार

आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव भईपुरा निवासी नासिर पुत्र लियाकत, कफिल पुत्र सलीम तथा गांव कुच्छेजा निवासी तसलीम पुत्र अब्बास और गोपी पुत्र लखपत शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 136 किलो बिजली का तार बरामद किया है। पूछताछ में आरोपितों ने कई चोरी की घटनाओं का खुलासा किया। उन्होंने 26 मई को गांव नगला छत्तू में एलटी लाइन के छह खंभों से तथा 9 जून को गांव याकूबपुर में बिजली के खंभों से तार चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस आरोपितों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने के साथ ही अन्य घटनाओं की भी जांच कर रही है।

## गोभी बेचने दिल्ली जा रहे किसान की सड़क हादसे में मौत

**औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** गांव चरौरा मुस्तफाबाद निवासी किसान बंटी सैनी (42) की बुधवार सुबह दिल्ली की गाजीपुर सब्जी मंडी जाते समय सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। वह रोज की तरह गोभी से लदी पिकअप पर सवार होकर मंडी जा रहे थे। मेरठ-दिल्ली हाईवे पर लाल कुआं के पास अचानक झटका लगने से वह वाहन से नीचे गिर पड़े। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

## खल के बोरों से लदे ट्रक में लगी भीषण आग, दो दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** जनपद के शिकारपुर हाईवे पर थाना सलेमपुर क्षेत्र के गांव मुकैरा के पास खल के बोरों से लदे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। घटना से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

## तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** अहमदगढ़ में भारतीय स्टेट बैंक के सामने तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। छतारी थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर बिलोनी निवासी विवेक कुमार ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई रवि कुमार बाइक से गुरुग्राम के बिलासपुर स्थित ड्यूटी पर जा रहा था। इसी दौरान अनियंत्रित कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का अलीगढ़ के अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## नाबालिग को धमकाकर रुपये वसूलने का आरोप, विवाद में मारपीट व तोड़फोड़

**जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** थाना क्षेत्र के गांव जलीलपुर में एक नाबालिग बच्चे को धमकाकर रुपये वसूलने के आरोप को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर मारपीट और दुकान में तोड़फोड़ की गई, जिसमें दुकानदार व उसके परिवार के लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां एक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बुलंदशहर रेफर किया गया। कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

## न्यूजक्लिक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, एफआईआर और ईसीआईआर रद

**नई दिल्ली।** विदेशी फंडिंग के आरोपों पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) द्वारा की गईं प्राथमिकी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इसीआइआर को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद कर दिया है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि अगर प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों को पूरी तरह मान भी लिया जाए, तो भी आइपीसी की धारा 406 और 420 के तहत अपराध के जरूरी तत्व नहीं बनते हैं। प्रबीर पुरकायस्थ के विरुद्ध प्राथमिकी कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोगः हाई कोर्ट कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी प्राथमिकी को जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है, इसलिए इओडब्ल्यू की प्राथमिकी और ईडी द्वारा दर्ज इसीआइआर को रद किया जाता है। पीठ ने फैसला सुनाया कि यह माना गया है कि अगर मुख्य अपराध के तहत दर्ज प्राथमिकी रद हो जाती है, तो इसीआइआर भी अपने आप रद हो जाती है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की शिकायत पर अगस्त 2020 में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि न्यूजक्लिक को अमेरिका की वल्र्डवाइड मीडिया होल्डिंग्स एलएलसी से एफडीआइ के तौर पर 9.59 करोड़ रुपये मिले थे। यह पैसा एफडीआइ नियमों से बचने के लिए शेयर के ज्यादा मूल्यांकन वाले लेन-देन के जरिए लिया गया था। आरोप था कि इस फंड का एक बड़ा हिस्सा सैलरी, कंसल्टेंसी फीस और दूसरे खर्चों के नाम पर निकाल लिया गया। ठीक से जांच के बाद, प्राथमिकी की कापी प्रवर्तन निदेशालय को भेजी गई और इसीआइआर दर्ज की गई थी।

## मानसून से पहले अलर्ट मोड में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, जलभराव रोकने को किए बड़े तकनीकी बदलाव

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े और व्यस्ततम एयरपोर्ट आइजीआइ की संचालन एजेंसी डायल इस बार मानसून से जुड़ी तैयारियों में कोई किंतु-परंतु या ढिलाई की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहती। पिछले कुछ वर्षों में मानसून के दौरान टर्मिनल के भीतर पानी टपकने, रनवे पर जलभराव और टर्मिनल-1 के फोरकोर्ट पर हुए हादसों ने न केवल यात्रियों को परेशान किया था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एयरपोर्ट की साख को भी बट्टा लगाया था। इन पुरानी फजीहतों से कड़ा सबक लेते हुए इस बार दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने एक एडवांस प्री-मानसून प्लान तैयार किया है। हालांकि, असली चुनौती इन दावों को जमीन पर उतारने की होगी। विगत वर्षों का कड़वा अनुभव स बार एयरपोर्ट प्रशासन की तैयारियों में जो सख्ती और जल्दबाजी दिख रही है, उसके पीछे बीते वर्षों का कड़वा अनुभव है। पूर्व में हुई कुछ गंभीर घटनाओं ने एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पर बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए थे। दो वर्ष पूर्व मानसून की शुरूआत में टर्मिनल-1 पर हुआ हादसा सबसे ज्यादा संवेदनशील रहा, जिसने स्ट्रक्चरल मेंटेनेंस की कमियों को उजागर किया था। वहीं, कुछ वर्ष पूर्व भारी वर्षा के दौरान रनवे और एयरसाइड एरिया में पानी भरने से उड़ानों के रूट डाइवर्ट करने पड़े थे, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हुई। इसके अलावा, पिछले वर्ष टी-1 के भीतर लाउंज एरिया में पानी टपकने की तस्वीरों ने इंटरनेट मीडिया पर खूब किरकिरी कराई थी। यही वजह है कि इस बार डायल प्रशासन केवल रूटीन सफाई तक सीमित न रहकर बुनियादी ढांचे में बड़े बदलाव करने को मजबूर हुआ है। इस बार डायल ने कागजी दावों से इतर जमीन पर कई तकनीकी बदलाव किए हैं। टर्मिनल-1 फोरकोर्टः यहां पहले होने वाले जलभराव और कमजोर ड्रेनेज से निपटने के लिए अत्याधुनिक साइफोनिक ड्रेनेज सिस्टम (वैक्यूम आधारित सक्शन तकनीक) और ओवरफ्लो डाउनटेक पाइप (इमरजेंसी बैकअप पाइप) लगाए गए हैं, जो पानी को छत पर जमा नहीं होने देंगे। टर्मिनल-2 की छतः स्काईलाइट और छतों से पानी का रिसाव रोकने के लिए पूरी छत की व्यापक स्तर पर वाटरप्रूफिंग की गई है और सभी जोड़ों की बारीक मरम्मत पूरी हो चुकी है। रनवे व एयरसाइडः विमानों के पहियों तक पानी भरने की पुरानी समस्या को खत्म करने के लिए हाई-कैपेसिटी डीवाटरिंग पंप स्थापित किए गए हैं और नालियों की सघन गाद सफाई (डीसिल्टिंग) का काम पूरा कर लिया गया है। बैकअप और समन्वय पर विशेष जोर इस बार डायल सिर्फ नए ड्रेनेज सिस्टम के भरोसे नहीं बैठा है, बल्कि उसने बैकअप प्लान भी तैयार किया है।

# अंकित शर्मा हत्याकांड: 7 जुलाई को आएगा कड़कड़डूमा कोर्ट का फैसला, पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन सहित 11 आरोपी

**पूर्वी दिल्ली।** उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान हुए आईबी कर्मचारी अंकित शर्मा हत्याकांड मामले में अदालत सात जुलाई को अपना फैसला सुनाएगी। गुरुवार को मामले में सुनवाई के दौरान निर्णय सुरक्षित रखते हुए न्यायालय ने फैसले के लिए सात जुलाई की तारीख निर्धारित की। इस बहुचर्चित मामले में पीड़ित पक्ष और आरोपितों सहित सभी की नजरें अब अदालत के अंतिम निर्णय पर टिकी हैं। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान हुए सबसे चर्चित मामलों में से एक अंकित शर्मा हत्याकांड ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में सुरक्षा सहायक के रूप में तैनात अंकित शर्मा 25 फरवरी 2020 की शाम अपने घर के पास

से लापता हो गए थे। अगले दिन 26 फरवरी को चांदबाग क्षेत्र में स्थित एक नाले से उनका शव बरामद किया गया। आगजनी और पथराव की घटनाएं लगातार हो रही उस समय दिल्ली के कई इलाकों में हिंसा, आगजनी और पथराव की घटनाएं लगातार हो रही थीं। इस घटना ने दंगों की भयावहता को और उजागर कर दिया और सुर्खियों में छा गया।दयालपुर थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस ने गहन जांच की। जांच के दौरान पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत कुल 11 आरोपितों के खिलाफ हत्या, दंगा, आपराधिक साजिश तथा अन्य गंभीर धाराओं के तहत आरोपपत्र दाखिल किया गया। अंकित शर्मा को निशाना बनाकर उनकी हत्या की गई अभियोजन पक्ष का दावा है कि दंगों के दौरान अंकित शर्मा को निशाना बनाकर उनकी हत्या की गई और बाद में शव को नाले में फेंक दिया गया। वहीं बचाव पक्ष ने सभी आरोपों से इनकार किया है और मामले को झूठा बताया है। दोनों पक्षों ने अदालत में अपनी-अपनी दलीलें पूरी कर दी हैं।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत में इस मामले का फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। अब सभी की निगाहें अदालत के अंतिम निर्णय पर टिकी हुई हैं। यह मामला दिल्ली दंगों से जुड़े प्रमुख मुकदमों में शामिल है, जिसमें राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी स्तर पर काफी बहस हुई है।

# डीएनडी से आश्रम जाने वालों के लिए जरूरी खबर, एक हफ्ते तक जाम से बढ़ेगी परेशानी; ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

**नई दिल्ली।** दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के लिए लोगों के लिए एक एजडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने बताया कि रिंग रोड के महारानी बाग से अश्रम वाले हिस्से पर दिल्ली जल बोर्ड का मरम्मत कार्य चल रहा है। इस काम की वजह से 11 जून से लगभग एक हफ्ते तक ट्रैफिक पर असर पड़ेगा। जल बोर्ड का सड़क के दो लेन पर काम चल रहा है, जिस कारण 24 घंटे गाड़ियों की आवाजाही प्रभावित रहेगी। डीएनडी फ्लाईओवर से अश्रम की तरफ जाने वाली रिंग रोड और सी.वी. रमन मार्ग से रिंग रोड

पर आने वाली गाड़ियां प्रभावित हो सकती है। पीक आवर्स में जाम की स्थिति बन सकती है। इसलिए पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि जरूरी हो तभी इस रास्ते से निकलें। इन रास्तों से होकर जाएं डीएनडी फ्लाईओवर से अश्रम जाने वालों के लिए- बारापुल्ला एलिवेटेड कॉरिडोर या सी.वी. रमन मार्ग का इस्तेमाल करें। सी.वी. रमन मार्ग से रिंग रोड की तरफ जाने वालों के लिए- माता मंदिर मार्ग और मुरा रोड से होकर जाएं। लोगों से अपील ट्रैफिक पुलिस ने जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। नेविगेशन ऐप्स (जैसे गूगल मैप्स) का इस्तेमाल करके रियल टाइम अपडेट देखने को कहा गया है। ट्रैफिक कर्मियों के साथ सहयोग करने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की बात कही गई है। रियल टाइम जानकारी के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से हेल्पलाइन नंबर 1095 या 011-25844444 या व्हाट्सएप के लिए 8750871493 पर संपर्क किया जा सकता है।

# दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, नोएडा-गाजियाबाद में छाए काले बादल; चल रही धूल भरी आंधी

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में बृहस्पतिवार को फिर मौसम बदल गया है। एनसीआर क्षेत्र में सुबह से काले बादल छाए हुए हैं और धूल भरी आंधी चल रही है। इससे सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए पूवार्नुमान जारी किया है कि बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 70 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार तेज हवाएं चलने के साथ हल्की होने की भी संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 41 व 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। शुक्रवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए आरेंज जबकि शुक्रवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

बारिश से मिलेगी गर्मी से राहत इससे पहले बुधवार को भी उमस भरी भीषण गर्मी की चुभन जारी रही। अधिकांश इलाकों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। हीट इंडेक्स 48 डिग्री से भी ऊपर चला गया। हालांकि मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से मानसून पूर्व की गतिविधियों बढ़ने का पूवार्नुमान दिया है, जिसमें तेज हवाओं के साथ वर्षा हो सकती है और भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हीट इंडेक्स 48.4 डिग्री दर्ज किया गया। पालम और रिज सबसे गर्म स्थान रहे, जहां तापमान क्रमशः 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः 3.4 डिग्री और 3.3 डिग्री अधिक है।kमंगलवार रात हुई वर्षा से बुधवार को राजधानी में दिन की शुरूआत अपेक्षाकृत ठंडी रही। न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री कम 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले की तुलना में यह 9.0 डिग्री कम था। हवा में नमी का स्तर 84 से 29 प्रतिशत दर्ज किया गया। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने कहा कि मध्य पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में साइक्लोनिक सकुर्लेशन के कारण इस क्षेत्र में तेज हवाएं और छिटपुट वर्षा हो रही है। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार से मानसून से पहले की गतिविधियों के तेज होने की संभावना है, जिससे दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में भी व्यापक वर्षा होगी। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले कुछ दिनों में वर्षा की तीव्रता में काफी वृद्धि होने की संभावना है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने की उम्मीद है।

## राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

**औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को ग्राम खनौदा स्थित वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चौधरी रामरिख सिंह एडवोकेट के आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने स्व. पायलट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर चौधरी रामरिख सिंह एडवोकेट ने स्व. राजेश पायलट के व्यक्तित्व एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में संचार क्रांति को गति देने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में अशोक कसाना, मित्तर सिंह प्रधान, मास्टर नेमपाल सिंह भाटी, राजेन्द्र अधाना, बौबी गुर्जर, सुरेन्द्र कपासिया, तेजवीर सिंह, प्रदीप प्रधान, राजेश कसाना, शेर सिंह गौतम, सुभाष जैन तथा माईचंद्र सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## योगिनी एकादशी पर भारत विकास परिषद गौरव शाखा ने की शीतल जल सेवा,मीठा शरबत पीकर राहगीरों ने पाई राहत

**औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** योगिनी एकादशी के अवसर पर भारत विकास परिषद गौरव शाखा, बुलंदशहर के सदस्यों ने गांधी चौक पर राहगीरों को शीतल मीठा शरबत वितरित कर जल सेवा की। भीषण

गर्मी में राहगीरों ने शरबत का आनंद लेते हुए सेवा कार्य की सराहना की। शाखा अध्यक्ष विजय गर्ग ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों व निराश्रितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। इस दौरान के.डी. गुप्ता, दुष्यंत मांगलिक, मनीष तायल, अंजय गर्ग, मनोज गुप्ता, राकेश मित्तल, सजल अग्रवाल, सजल गर्ग, शिवम मित्तल, अशोक अग्रवाल, सुशील गर्ग, तरुण मित्तल व दिनेश गोयल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

# चीनी का विकल्प शुक्रालोज

**हमारा** देश स्थानीय स्वाद से युक्त सभी प्रकार की मिठाइयों के लिए मशहूर है। यह निर्विवाद रूप से सत्य है कि हम सभी लोग मिठाइयों के शौकीन हैं। लेकिन जीवन का एक सत्य यह भी है कि जरूरत से अधिक चीनी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। 6.7 करोड़ मधुमेह रोगियों तथा अन्य 3 करोड़ पूर्व-मधुमेह की स्थिति से आक्रांत भारत अब विश्व की मधुमेह राजधानी कहलाने लगा है। मोटापा भी अब महामारी का रूप ग्रहण करने लगा है। 5 प्रतिशत भारतीय अतिशय मोटापे से ग्रस्त हैं। हृदय रोग जन स्वास्थ्य के लिए एक और खतरा बनकर उभरा है और हृदयाघात की घटनाएं अब बहुत अधिक घटित होने लगी हैं।

जरूरत से अधिक चीनी के सेवन से उपरोक्त तथा अन्य अनेक प्रकार की बीमारियों की संभावनाएं काफी अधिक बढ़ गयी हैं। अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि आप कम से कम चीनी का सेवन करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी पसंदीदा मिठाई औ र शर्करायुक्त पेय पदार्थों का सेवन बिल्कुल बंद कर दें। एक अच्छी खबर यह है कि कैलोरीज की मात्रा को कम करने के लिए अब आप कृत्रिम शर्करा विकल्पों का इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने रक्त शर्करा स्तर को नियंत्रित रखते हुए अपने मनपसंद खान-पान का लुत्फ उठा सकते हैं।

डॉ. राजीव चावला, सीनियर कन्सल्टेंट (डायबेटोलॉजिस्ट एवं डायरेक्टर, उत्तर दिल्ली डायबेटीज सेंटर) के अनुसार, 'बाजार में शुकालोज, सैचरीन, एससल्फेम पोटेशियम एवं एस्पार्टेम जैसे अनेक कृत्रिम स्वीटनर्स उपलब्ध हैं, लेकिन ये सभी एक समान नहीं हैं। ये मिठास के स्तर, नमी, आफ्टर-टेस्ट तथा ऊष्मा को बरकरार रखने की क्षमता के मामले में भिन्नता लिए हुए हैं। हाल ही में शुकालोज अत्यंत प्रचलित सामान्य उद्देशीय कृत्रिम शर्करा विकल्पों में से एक के रूप में उभरा है और यह एक बेहतर और सकारात्मक विकल्प भी है। अन्य स्वीटनर्स के विपरीत (जो न्यूनतम कैलोरीज के संग्रहण का दावा करते हैं), यह शून्य कैलोरी से युक्त है, हालांकि इसे असली चीनी से तैयार किया गया है। शुकालोज बिना कैलोरी अथवा काबरेहाइड्रेट्स के खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिठास का समावेश करता है और उन लोगों के लिए अति उपयुक्त है, जो लोग अपने शारीरिक भार को कम करने के लिए सचेत रहते हैं। इसका स्वाद बिल्कुल चीनी की तरह है, क्योंकि यह जीभ की समान स्वाद कलिकाओं को सक्रिय करता है। शुकालोज का मुख्य लाभ ऊष्मा का स्थायित्व है। यह आसानी से विखंडित नहीं होता और ऊष्मा तथा व्यापक भंडारण स्थितियों में भी अपनी मिठास को बरकरार रखता है। इसलिए यह उच्च तापमान पर पकाये जाने वाले भोजन के लिए आदर्श है। यह चीनी की अपेक्षा 600 गुना अधिक मीठा है और इसके रवे का इस्तेमाल किसी भी प्रकार के व्यंजन में किया जा सकता है। यह टेबलटॉप स्वीटनर के रूप में व्यापक रूप से उपलब्ध है तथा इसे चीनी के साथ मिलाया जा सकता है अथवा जहां पर भी चीनी का इस्तेमाल होता है, प्रायः हर उस जगह इसका इस्ते माल किया जा सकता है। इसकी मात्रात्मक क्षमता चीनी के समान ही है, इसलिए आप किसी भी व्यंजन में चीनी की मात्रा के समान ही इसकी मात्रा का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ब्रांड एम्बेसडर, शुगर फ्री, शेफ संजीव कपूर के अनुसार, 'अधिकांश व्यंजनों के पकाने में चीनी के विकल्पों का इस्तेमाल करना चुनौती भरा हो सकता है, क्योंकि आपको सटीक स्वाद एवं संतुलन हेतु काफी जद्दोजहद करनी पड़ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि चीनी न सिर्फ खाद्य पदार्थ में मिठास का समावेश करती है, बल्कि यह इसमें नमी और मुलायमियत की पेशकश भी करती है। यह डेर्जट्स एवं ब्रेड्स को पकाने के लिए जाने-पहचाने गोल्डन ब्राउन कलर की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिए उच्च तापमान पर कैरेमलाइज करती है। ऐसे व्यंजनों में जहां आप चीनी के इस्तेमाल को पूरी तरह से दरकिनार नहीं कर सकते, आप शुकालोज जैसे शर्करा विकल्पों के इस्तेमाल के जरिये बिना स्वाद एवं गुणवत्ता के साथ समझौता किये, इसकी मात्रा को काफी कम कर सकते हैं।'

# बैंगन का सेवन कर पाएं खूबसूरत-चमकदार त्वचा

**बहुत** से लोग बैंगन खाने के नाम से मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें मानों बैंगन से कितनी बड़ी दुश्मनी हो। लेकिन अगर आपको अपनी त्वचा साफ- सुथरी औ र चमकदार बनानी है तो अभी से ही अपनी डाइट में बैंगन लेना शुरू कर दें। बैंगन में विटामिन, मिनरल, फाइबर के साथ बहुत सारा एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जिसके सेवन से चेहरे पर मुंहासे नहीं होते और चेहरा चमकदार बन जाता है। इसमें थोड़ी मात्रा में आयरन और कैल्शियम भी पाया जाता। बैंगन खाने से मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियां दूर होती हैं। सौंदर्य बढ़ाने के लिए भी बैंगन के गुणकारी फायदे हैं। अगर आपको खूबसूरत त्वचा पानी हो, तो बैंगन का से वन नियमित रूप से करना शुरू कर दें।



बैंगन के खूबसूरत गुण

1. एजिंग : बैंगन में एंटीऑक्सीडेंट, अंथॉयनिंस पाए जाते हैं जिससे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीरे धीरे कम होने लग जाती है।
2. स्किन कैंसर : बैंगन कैंसर को पनपने से रोकता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कि शरीर में फ्री रैडिकल्स से लड़ता है।
3. साफ त्वचा : अगर आपके चेहरे पर पिंपल ज्यादा निकलनते हैं और चेहरे पर दाग-धब्बे हैं, तो अभी से ही बैंगन खाना शुरू कर दें। इसमें बहुत ज्यादा फाइबर पाया जाता है, जो कि विटामिनों से घिरा रहता है। इसे खाने से पेट साफ होगा और शरीर से विशैले तत्व बाहर निकलेगें। अगर पेट अंदर से साफ रहेगा तो चेहरा अपने आप ही साफ हो जाएगा।
4. चमकदार त्वचा : बैंगन त्वचा को साफ कर के उसमें चमक भी भरता है। इसमें अत्यधिक मात्रा मे पानी पाया जाता है, जिससे त्वचा हाइड्रेट रहती है और उसमें अपने आप ही चमक आती है।
5. स्वस्थ त्वचा : बैंगन में इतने प्रकार के विटामिन , मिनरल और पानी पाए जाते हैं कि यह आपकी त्वचा को बच्चों की त्वचा जैसा कोमल बना देता है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

## काकुरो पहेली - 3915

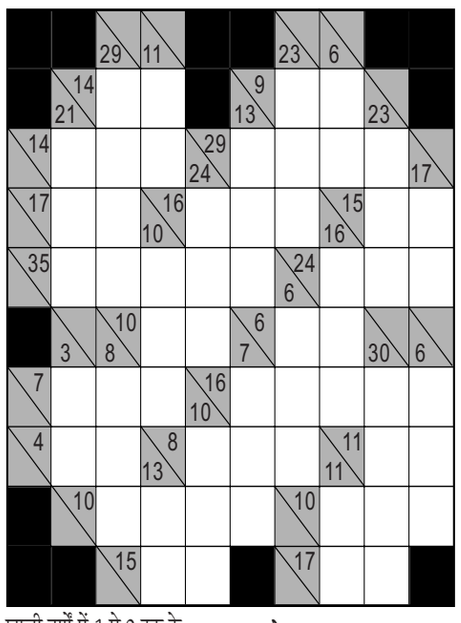

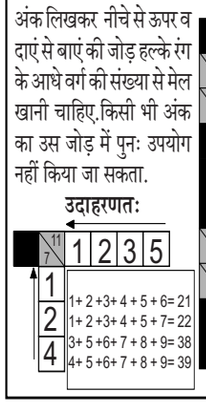



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:




काकुरो - 3914 का हल



## हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

▯ ▯ ▯

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

▯ ▯ ▯

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

▯ ▯ ▯

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

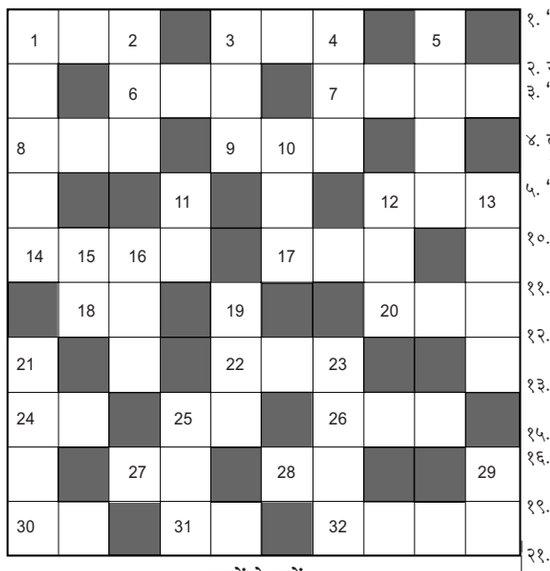

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-"नाखुश हो गए?"

"नहीं."

रमेश जल्दी से बोला-"नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं."

▯ ▯ ▯

## फिल्म वर्ग पहेली- 3915



**बायें से दायें:-**

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3914



## सूडोकु -3915

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | 9 | | 8 | 3 | 2 | | |
| | 2 | | 4 | | | | | 8 |
| 3 | 8 | | 5 | 2 | 6 | 1 | | |
| | 7 | | | | | | 9 | 5 |
| 9 | | 3 | 6 | | 8 | 7 | | 4 |
| 2 | 6 | | | | | | 1 | |
| | | 5 | 2 | 7 | 1 | | 8 | 6 |
| 6 | | | | | 4 | | 7 | |
| | | 8 | 9 | 6 | | 4 | | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3914 का हल

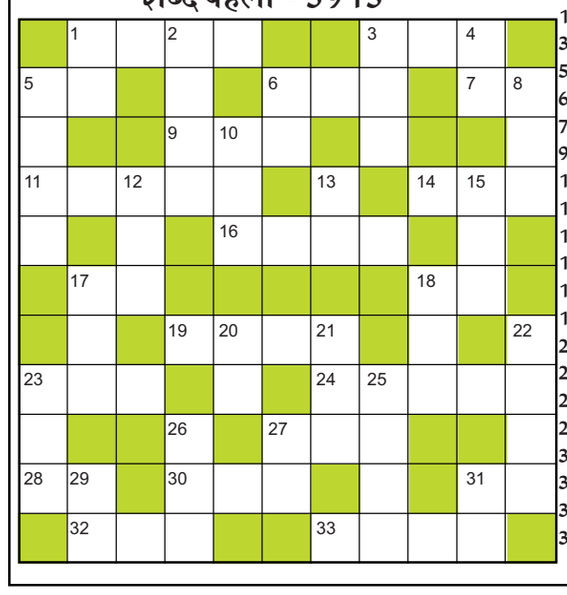

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 4 |
| 4 | 6 | 1 | 8 | 9 | 2 | 3 | 7 | 5 |
| 3 | 7 | 9 | 1 | 5 | 4 | 6 | 8 | 2 |
| 1 | 3 | 7 | 4 | 2 | 9 | 5 | 6 | 8 |
| 6 | 5 | 2 | 7 | 1 | 8 | 4 | 9 | 3 |
| 9 | 8 | 4 | 6 | 3 | 5 | 1 | 2 | 7 |
| 2 | 4 | 6 | 9 | 8 | 3 | 7 | 5 | 1 |
| 5 | 1 | 3 | 2 | 7 | 6 | 8 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 4 | 1 | 2 | 3 | 6 |

## शब्द पहेली - 3915



**बाएँ से दाएँ**

1. असभ्यता,मूर्खता-4
3. निर्भय,बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा,शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता,गुलामी-5
14. दानव,दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई,छाया-2
19. आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल,वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा,सूजी-2
30. गुलिस्तां,बाग-3
31. एक ग्रह,शनिश्चर-2
32. दबाना,कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

**ऊपर से नीचे**

1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा,अनोखा-3
4. लक्ष्मी,कमला-2
5. खीजना,रोना-4
6. एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष,होशियार-3
10. जमीकंद,एक सब्जी-3
12. धैर्य,संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा,तला-2
21. पुत्र,बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3914 का हल

## दर्शकों को फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' और महेश बाबू की 'वाराणसी' जैसी बड़ी फिल्मों की काफी चर्चा है। लोग इन फिल्मों की कहानी से ज्यादा इनके करोड़ों रुपये के बजट को लेकर बातें कर रहे हैं। मशहूर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इस बात पर नाराजगी जताई है और दर्शकों को समझाया है कि उन्हें फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए।

### बजट बताना सिर्फ पब्लिसिटी का एक तरीका है

एक खबर के अनुसार, मनोज बाजपेयी से जब पूछा गया कि 'रामायण' और 'वाराणसी' जैसी फिल्मों के मेकर्स उनके भारी-भरकम बजट का इतना प्रचार क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि यह सब पब्लिसिटी स्टंट का एक जरिया है। पिछले 15 साल से फिल्मों को हिट दिखाने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है। मनोज बाजपेयी ने दर्शकों को समझाने के लिए कहा, 'यह बीमारी इतनी बढ़ गई है कि एयरपोर्ट पर मिलने वाले आम लोग भी मुझसे फिल्मों की कमाई के आंकड़े पूछने लगते हैं। मैं उन्हें टोकता हूं कि यह पैसा आपके बैंक खाते में नहीं आ रहा है। दर्शकों का फिल्म से सिर्फ इतना नाता होना चाहिए कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। मेकर्स जिस 500-600 करोड़ रुपये की बात करते हैं, उससे दर्शकों का कोई फायदा नहीं होता। फिल्म का बिजनेस सिर्फ निर्माता का काम है।'

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है, जिसका बजट 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (सीता), सनी देओल (हनुमान), रवि दुबे (लक्ष्मण) और यश (रावण) के किरदार में नजर आएंगे। इसका पहला भाग इसी साल दिवाली पर रिलीज हो होगा।

एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' का बजट लगभग 1,400 करोड़ रुपये है। इसमें महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं और प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म से साउथ में वापसी कर रही हैं। खास बात यह है कि यह पूरी तरह से आईमैक्स फॉर्मेट पर शूट होने वाली भारत की पहली फिल्म होगी।

# एक्ट्रेस माही विज ने 'सहर होने को है' शो से कहा अलविदा

टीवी एक्ट्रेस माही विज ने टीवी शो 'सहर होने को है' को अलविदा कह दिया है। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का दिल छू लिया। खास बात यह है कि इस पोस्ट पर उनके एक्स पति जय भानुशाली ने भी कमेंट किया। माही विज ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने मेकअप रूम के दरवाजे के पास नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर भावुकता साफ दिखाई दे रही है। तस्वीर के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''आज मैं इस किरदार, इस कमरे और इस पूरे सफर को अलविदा कह रही हूं और अपने साथ अनगिनत खूबसूरत यादें लेकर जा रही हूं। इस किरदार को पर्दे पर जीवंत बनाने का हर पल मेरे लिए बेहद खास रहा। हर सीन, हर इमोशन और हर दिन मेरे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया था। यह अनुभव मैं हमेशा अपने दिल में संजोकर रखूंगी और इसे कभी नहीं भूलूंगी।''

अपने पोस्ट में माही ने उन सभी लोगों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने इस सफर में उनका साथ दिया। उन्होंने निर्देशक, निर्माता, क्रिएटिव टीम, साथी कलाकारों, तकनीकी कर्मचारियों और चैनल से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार जताया। माही ने लिखा, 'इन सभी लोगों के सहयोग, मार्गदर्शन और विश्वास ने मेरे सफर को यादगार बना दिया। अगर पूरी टीम का साथ और भरोसा न मिलता, तो मैं इस किरदार को इतनी खूबसूरती से नहीं निभा पातीं।''

माही ने अपने लोकप्रिय किरदार 'कौसर' का भी खास जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''अब जब मैं जिंदगी में आगे बढ़ रही हूं, तब भी इस किरदार की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। मुझे कौसर की बहुत याद आएगी, क्योंकि इस किरदार ने मुझे दर्शकों के दिलों तक पहुंचाने में मदद की है। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मेरे इस किरदार को प्यार और अपनापन दिया। यह मेरे लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं है।''

पोस्ट के आखिर में माही ने लिखा, ''यह मेरी जिंदगी का एक बेहद खूबसूरत अध्याय था और मैं इस सफर को हमेशा याद रखूंगी।''

माही की इस पोस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान जय भानुशाली के कमेंट ने खींचा। जय ने कमेंट में ताली बजाने वाला इमोजी भेजा और माही का हौसला बढ़ाया। इसके जवाब में माही ने भी हार्ट इमोजी भेजकर उनका आभार व्यक्त किया। इसी साल जनवरी में माही विज और जय भानुशाली ने अपनी 14 साल पुरानी शादी खत्म करने की घोषणा की थी। दोनों ने बयान जारी करते हुए बताया था कि हमने किसी विवाद की जगह शांति और सम्मान का रास्ता चुना है। भले ही हमारी जिंदगी की राहें अब अलग हो गई हों, लेकिन हम हमेशा एक-दूसरे का सम्मान करेंगे और जरूरत पड़ने पर साथ खड़े रहेंगे।

## 'स्वयंभू' के लिए 45 दिन की कड़ी ट्रेनिंग के बाद योद्धा जैसे बने निखिल

निखिल सिद्धार्थ की आगामी फिल्म 'स्वयंभू' लगातार चर्चा में बनी हुई है। टीजर और पहले गीत 'रा रा धीवरा' के बाद अब निर्माताओं ने फिल्म का एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो जारी किया है, जिसमें निखिल के योद्धा में बदलने की तैयारी दिखाई गई है। निखिल के जन्मदिन के अवसर पर जारी इस वीडियो में एक्टर 45 दिनों की विशेष ट्रेनिंग लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह अंतरराष्ट्रीय स्टंट विशेषज्ञों के साथ एक्शन सीन्स की तैयारी करते दिखाई देते हैं। फिल्म के लिए उन्होंने तलवारबाजी, युद्ध कौशल और शारीरिक प्रशिक्षण पर विशेष मेहनत की है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा है, जिसकी कहानी भारतीय इतिहास और पौराणिक परंपराओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म का आधार सेंगोल है, जिसे न्याय, धर्म और सत्ता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। हालांकि फिल्म किसी वास्तविक घटना का सीधा चित्रण नहीं होगी, बल्कि सेंगोल से प्रेरित एक कालखंड और योद्धा की कहानी प्रस्तुत करेगी। फिल्म का निर्देशन भरत कृष्णमाचारी ने किया है। टेक्निकल टीम में कई बड़े नाम शामिल हैं।

## लेकिन भाषाएं सीखना रोमांचित करता है

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। अपने इस अनुभव को उन्होंने आईएएनएस संग साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए शरवरी वाघ ने कहा, ''घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।'' शरवरी ने कहा, ''भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं।'' शरवरी ने कहा, 'अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं। महाराष्ट्र से होने का एक फायदा यह भी मिला कि मुझे दूसरी भाषाओं को समझने और अपनाने में आसानी हुई। भारत की कई भाषाएं एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि नई भाषा सीखने की प्रक्रिया मेरे लिए मुश्किल के बजाय आनंददायक रही।'

## एलियन- अर्थ 2 का हिस्सा बनना खास

**अभिनेता आदर्श गौरव ने रिडले स्कॉट की फिल्म 'एलियन अर्थ' में स्लाइटली के किरदार के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। अब अभिनेता इस साइंस फिक्शन शो के आगामी दूसरे सीजन में भी वही भूमिका निभाएंगे और जल्द ही शूटिंग के लिए रवाना होने वाले हैं। दूसरे सीजन में पीटर डिंकलेज के शामिल होने से इसको लेकर लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। आदर्श ने एमी पुरस्कार विजेता इस अभिनेता की जमकर तारीफ की है।**

### शूटिंग के बाद भी यह मन में रहता है

नोआ हॉली द्वारा निर्मित और दिग्गज फिल्म निर्माता रिडले स्कॉट द्वारा कार्यकारी निर्मित 'एलियन: अर्थ' स्कॉट की प्रतिष्ठित एलियन फिल्मों का स्पिन-ऑफ है। पहले सीजन में आदर्श ने स्लाइटली उर्फ आरुष की भूमिका निभाई, जो मनुष्य और मशीन का एक हाइब्रिड है। आदर्श गौरव ने कहा कि 'एलियन: अर्थ' के सीजन 2 में वापसी करना बेहद खास लगता है। स्लाइटली एक ऐसा किरदार है जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक मेरे मन में बसा रहा, क्योंकि उसकी इमोशनली जटिलता और ट्विस्ट ने मुझे दीवाना बना दिया। नोआ हॉली और रिडले स्कॉट द्वारा निर्मित दुनिया में उसे और गहराई से जानने का अवसर मिलना एक अभिनेता के रूप में रोमांचक और बेहद संतोषजनक है।

### शूटिंग के लिए निकले आदर्श

'एलियन: अर्थ' में सिडनी चैंडलर, एलेक्स लॉथर, एस्सी डेविस, सैमुअल ब्लेंकिन और बाबौ सीसे मुख्य भूमिका में हैं, जबकि टिमोथी ओलिवेंट एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आते हैं। सीजन 2 में गेम ऑफ थ्रोन्स के मशहूर अभिनेता पीटर डिंकलेज की एंट्री होती है, जिससे एलियन यूनिवर्स का विस्तार होता है। आदर्श ने आगे कहा कि इस अनुभव को वास्तव में उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि मुझे एक टेलेंटेड एक्टर्स के साथ इस लोकप्रिय यूनिवर्स का हिस्सा बनने का मौका मिला। पीटर डिंकलेज, टिमोथी ओलिवेंट और पूरी टीम जैसे कलाकारों के साथ काम करना आपको हर दिन क्रिएटिव रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मैं जून के पहले वीक में शूटिंग के लिए निकल रहा हूं और उसके तुरंत बाद शूटिंग शुरू हो जाएगी। इस सीजन को लेकर काफी उत्सुकता है, क्योंकि इसमें कहानी कहने का तरीका और भी महत्वाकांक्षी हो गया है।

### 2025 में आया था पहला सीजन

'एलियन: अर्थ' सीजन 1 का प्रीमियर अगस्त 2025 में भारत में जियोहॉटस्टार पर हुआ था। डिज्नी ने घोषणा की कि 'एलियन: अर्थ' के पहले एपिसोड को स्ट्रीमिंग के पहले छह दिनों में ही दुनिया भर में 9.2 मिलियन व्यूज मिले। इस शो को क्रिटिक्स से भी सराहना मिली। दूसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, लेकिन रिलीज डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है।

### 'तू या मैं' में नजर आए थे आदर्श गौरव

बॉलीवुड में आदर्श गौरव को आखिरी बार बेजॉय नाम्बियार की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में शनाया कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फरवरी में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही।

# हॉरर-कॉमेडी और सुपरनैचुरल तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है गोलमाल 5 की कहानी

**रोहित शेट्टी की कॉमेडी फ्रेंचाइज 'गोलमाल' की पांचवीं किस्त को लेकर इंडस्ट्री में चर्चाएं तेज हैं। फिल्म अभी बनने की प्रोसेस में है लेकिन प्रोडक्शन और क्रू से जुड़े सूत्रों के हवाले से इसके शेड्यूल, स्टारकास्ट, कहानी और किरदारों से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। खास जानकारी के मुताबिक, इस बार फिल्म में अक्षय की एंट्री सबसे बड़ा आकर्षण होगी, वहीं कहानी हॉरर-कॉमेडी और सुपरनैचुरल तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है।**

### मुंबई में अगला बड़ा शेड्यूल शुरू होने की तैयारियां चल रही हैं

फिल्म का करीब 80 से 85 प्रतिशत हिस्सा मुंबई के स्टूडियो और अलग-अलग लोकेशंस पर शूट हो रहा है। एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से 10 से 15 दिन के स्लॉट में बुलाया जा रहा है। पहला प्रमुख शेड्यूल ऊटी में पूरा हो चुका है, जहां कुछ गानों और पैचवर्क की शूटिंग की गई। इसके अलावा गोवा भी फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा रहेगा। जुलाई से अगला बड़ा शेड्यूल शुरू होगा।

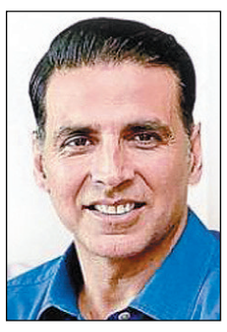

### अक्षय का किरदार

फिल्म में तमिलनाडु के 'बादशाह' के रूप में दिखाया जाएगा

फिल्म में अक्षय कथित तौर पर मुख्य विलेन या एंटी-हीरो की भूमिका में नजर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, उनका किरदार 'हाउसफुल 4' के चर्चित 'बाला' अवतार से प्रेरित हो सकता है। कहानी में इस किरदार को तमिलनाडु की पृष्ठभूमि वाले 'बादशाह' नाम से पेश किए जाने की चर्चा है। अक्षय और अजय देवगन-अरशद वारसी की गैंग के बीच एक बड़ा एक्शन-कॉमेडी सीक्वेंस पहले ही शूट किया जा चुका है, जिसे फिल्म का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है।

### शरमन जोशी इस बार अजय देवगन नहीं अक्षय की टीम का होंगे हिस्सा

पहली 'गोलमाल' के बाद फ्रेंचाइज से अलग हुए शरमन जोशी इस बार वापसी कर रहे हैं। वे अपने पुराने किरदार और उसी पहचान के साथ कहानी में लौटेंगे। हालांकि इस बार उनका झुकाव गोपाल की टीम के बजाय अक्षय के किरदार की तरफ दिख सकता है, जिससे कहानी में नया संघर्ष पैदा होगा।

### बच्ची के रोल के लिए नई चाइल्ड आर्टिस्ट हुई कास्ट

'गोलमाल अगेन' की हॉरर-कॉमेडी सफलता के बाद रोहित शेट्टी उसी जॉनर को ही नए अंदाज में आगे बढ़ा रहे हैं। कहानी एक ऐसी बच्ची के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसके पास रहस्यमयी शक्तियां आ जाती हैं। इस रोल के लिए किसी स्टारकिड को न चुनकर मुंबई से बाहर की एक नई बाल कलाकार को चुना गया है।

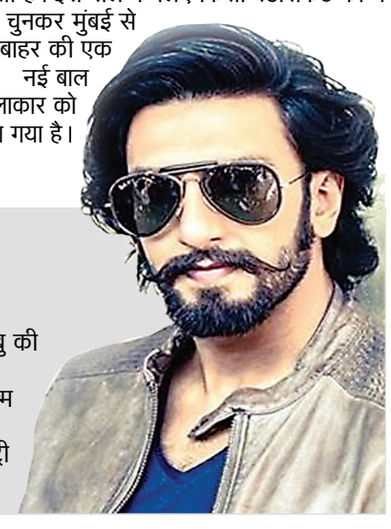

### रोहित के कॉप यूनिवर्स से रणवीर सिंह के भी कैमियो की है चर्चा

परिणीति चोपड़ा इस बार प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। तबु की मौजूदगी को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं अजय अपने क्लासिक 'गोपाल' लुक में ही नजर आएंगे। फिल्म में रोहित के कॉप यूनिवर्स से रणवीर सिंह के संभावित स्पेशल अपीयरेंस और क्लाइमैक्स में कुछ सरप्राइज एंट्री की भी चर्चाएं हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।